दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-164 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 06 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

'अदालत की कार्यवाही के ऑडिया-वीडियो दिखाने वाली खबरों पर रोक', सुप्रीम कोर्ट ने कहा-सिर्फ रिपोर्टिंग की जा सकती है

नईदिल्ली (आरएनएस)। आज के दौर में हर बड़ी खबर कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर पहुंच जाती है. अदालत की कार्यवाही भी अब कई बार लाइव स्ट्रीम होती है, जिससे लोगों को यह समझने का मौका मिलता है कि अदालत में किस तरह सुनवाई होती है. लेकिन इसके साथ एक नई चुनौती भी सामने आई है. कई बार सुनवाई के छोटे-छोटे वीडियो या ऑडियो क्लिप काटकर सोशल मीडिया पर ऐसे साझा किए जाते हैं कि पूरी बात का मतलब ही बदल जाता है। इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिया है. अदालत ने कहा है कि मान्यता प्राप्त समाचार संस्थान पहले की तरह अदालत की कार्यवाही की रिपोर्टिंग कर सकते हैं. लोग यह जान सकते हैं कि अदालत में क्या हुआ, किस मामले में क्या दलील दी गई और कोर्ट ने क्या कहा. लेकिन रिपोर्टिंग के दौरान अदालत की कार्यवाही के ऑडियो या वीडियो क्लिप का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता.दरअसल, कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने बिना अनुमति अदालत की कार्यवाही के ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने, साझा करने या दोबारा प्रसारित करने पर अंतरिम रोक लगाई थी. इसके बाद यह सवाल उठा कि क्या मीडिया भी अदालत की सुनवाई की रिपोर्ट नहीं कर सकेगा. अब कोर्ट ने साफ कर दिया है कि खबर लिखने और लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने पर कोई रोक नहीं है. रोक सिर्फ ऑडियो और वीडियो क्लिप के इस्तेमाल पर है.इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह अदालत की कार्यवाही का गलत इस्तेमाल रोकना है. कई बार कुछ सेकंड की वीडियो क्लिप को पूरे संदर्भ से अलग करके वायरल कर दिया जाता है. इससे लोगों के बीच भ्रम फैल सकता है और अदालत में हुई पूरी बहस की सही तस्वीर सामने नहीं आ पाती. कोर्ट का मानना है कि न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा और निष्पक्षता बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है जितना लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना।

केंद्र सरकार परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयकों पर चर्चा के लिए बुला सकती है विशेष सत्र

नईदिल्ली, (आरएनएस)। संसद का मानसून सत्र दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज और पैलेट गन की वजह से लगातार प्रभावित है। इस बीच, केंद्र सरकार अपने 2 सबसे जरूरी विधेयकों को पारित करवाने की तैयारी कर रही है। सूत्रों ने सूत्रों के हवाले से बताया कि मौजूदा मानसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त होने के बाद केंद्र परिसीमन विधेयक और महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के लिए विशेष सत्र बुला सकती है। इसके लिए संभावित तारीख 16 या 17 अगस्त तय है।रिपोर्ट के मुताबिक, 13 अगस्त को मौजूदा सत्र का सत्रावसान नहीं होगा, ताकि विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाया जा सके। बताया जा रहा है कि 3 दिवसीय विशेष सत्र के लिए कांग्रेस समेत विपक्ष को प्रस्ताव दिया है।

ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक के बाद प्रतिनिधिमंडल ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय का भ्रमण किया।

सीजेपी प्रदर्शन में बड़े आतंकी हमले की थी योजना, आईएसआई से जुड़े 2 मॉड्यूल का भंडाफोड़

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़े आतंकी हमले को अंजाम देने की पाकिस्तान की खौफनाक साजिश को सुरक्षा एजेंसियों ने नाकाम कर दिया। पंजाब पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और कुख्यात गैंगस्टर शहजाद भट्टी से सीधे जुड़े 2 बड़े आतंकी मॉड्यूल्स का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में 4 नाबालिगों समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पंजाब पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों का पहला मॉड्यूल अमृतसर के राजासांसी इलाके से पकड़ा गया। इस मॉड्यूल में सुखमन सिंह (19) और उसके 3 नाबालिग साथी शामिल थे।इसी तरह दूसरे मोड्यूल का मुख्य आरोपी मोखमपुरा निवासी वंश कुमार (19) है और उसका एक नाबालिग साथी भी हैं।ये सभी सीमा पार बैठे अपने हैंडलरों के इशारे पर काम कर रहे थे। उनके कब्जे से पेट्रोल बम, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है।

किसानों की समृद्धि और कृषि आय में लगातार बढ़ोतरी के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है : मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव

बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किसानों को दी सौगातें कवच योजना से मिलेगी किसानों को मजबूती, प्रथम चरण में 5 हजार किसानों को राहत

नर्मदापुरम जिले में उत्साह के साथ मनाया गया बलराम कृषि महोत्सव

नर्मदापुरम (निप्र) राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम वह 11वाँ जिला है, जहाँ वे बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से किसानों से सीधे संवाद कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं, अभियानों एवं कृषि विकास संबंधी पहलों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार किसानों की समृद्धि और आय वृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बताया कि सहकारिता विभाग की कवच योजना को अनुमोदित किया गया है। यह योजना सहकारी समितियों के ऐसे लगभग 5 हजार किसानों के लिए है, जिनके ऋण खाते में गड़बड़ियां हुई हैं और जांच में देरी की वजह से किसान सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। अब ऐसे किसानो को मुख्य धारा में लाकर योजना के तहत नया ऋण मिल सकेगा। निर्णय के अनुसार प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए अपैक्स बैंक और जिला सहकारी बैंकों द्वारा अपने स्तर से 50 करोड़ रूपये की सीमा तक की नीधि का निर्माण किया जायेगा। राज्य सरकार भी किसान हित में 25 करोड़ रूपये की अंशपूजी की सहायता एक बार उपलब्ध करायेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अब खातों का पलटा छह-छह माह के बजाय वर्ष में एक बार किया जाएगा, जिससे किसानों को अनावश्यक कर्ज़ एवं तनाव से मुक्ति मिलेगी।मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने बलराम महोत्सव के दौरान कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गर्मी की मूंग का 60 प्रतिशत उपार्जन किया जाएगा तथा उड़द पर भी बोनस प्रदान किया गया है। इसके साथ ही धान एवं सरसों को भी भावांतर योजना का लाभ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि किसान पारंपरिक खेती के साथ-साथ फसल विविधीकरण पर भी विशेष ध्यान दें।

बांग्लादेश में तख्तापलट के दो साल बाद सामने आई शेख हसीना, मीडिया के सामने छलके आंसू

-बोलीं- मैं अपने लोगों के पास लौटूंगी

नईदिल्ली (आरएनएस)। नई दिल्ली स्थित फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब से बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अपना लाइव संबोधन दिया. उनका ये संबोधन वर्चुअल था। भाषण शुरू करते ही शेख हसीना रो पड़ीं. बड़ी मुसीबत से खुद को संभालते हुए शेख हसीना ने कहा, आज मैं सिर्फ पूर्व प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की बेटी के तौर पर बात कर रही हूं. हसीना अपने परिवार के सदस्यों को याद करते हुए रो पड़ीं. इनमें अधिकतर लोगों की हत्या 1975 में ढाका में शेख मुजीब के साथ ही कर दी गई थी. उन्होंने कहा यह एक शांतिपूर्ण आंदोलन नहीं था.बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने कहा, बीते दो वर्षों से उन्होंने अपने प्यारे बांग्लादेश को हालात से जूझते देखा है. यह वह बांग्लादेश नहीं है, जिसे हमने बनाया था, यह वह बांग्लादेश नहीं हैं. जिसके लिए 1971 में 30 लाख लोगों ने अपनी जान दी थी ।

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने बाल-पोर्नोग्राफी और प्लेटफॉर्म संचालन में गलतियों के लिए माफी मांगी

नईदिल्ली(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वीडियो फेसबुक से हटाने को लेकर मचे विवाद के बीच मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने माफी मांगी है। उन्होंने बुधवार को सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ मेटा की बैठक में भेजे अपने संदेश में बाल यौन शोषण सामग्री, डीपफेक कंटेंट और सोशल मीडिया मंच संचालन में हुई गंभीर चूकों पर खेद जताया है। बैठक में प्लेटफॉर्म की जवाबदेही और सामग्री नियंत्रण से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा हुई थी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुधवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव समेत केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में मेटा ग्लोबल के अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई गई है।उनको बताया गया है कि भारत में कानून के नियमों के तहत ही डिजिटल प्लेटफॉर्म का संचालन किया जाना चाहिए और उल्लंघन पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।अधिकारियों ने यह सुझाव दिया कि मेटा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मध्यस्थों को उपलब्ध कानूनी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता।यह माफी इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों और मेटा के वैश्विक नेतृत्व के बीच हुई 2 दिवसीय बैठक के दौरान आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में प्लेटफॉर्म की जवाबदेही, सामग्री नियंत्रण और भारतीय कानूनों के अनुपालन पर चर्चा की गई, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के वीडियो को हटाने का कोई जिक्र नहीं हुआ।मेटा ने कंटेंट मॉडरेशन में हुई गलतियों को स्वीकार किया और अपने प्लेटफॉर्म पर हानिकारक कंटेंट से निपटने के तरीके पर खेद व्यक्त किया।बैठक में अधिकारियों ने मेटा को बताया है कि उनका प्लेटफॉर्म इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) की परिभाषा के दायरे में नहीं आते हैं।

संविधान, शिक्षा और भारत के भविष्य के लिए लड़े नौजवान, प्रदर्शनकारी छात्रों से मुलाकात के बाद बोले राहुल गांधी

नईदिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को 10 जनपथ पर हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर और देश के अन्य राज्यों में हुए प्रदर्शन में शामिल कुछ छात्रों से मुलाकात की. इसके बाद राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान राहुल गांधी के साथ वायरल गर्ल रिया अहीर भी नजर आईं. राहुल गांधी ने कहा कि अलग-अलग राज्यों के हमारे प्रदर्शनकारियों से आज मेरी मुलाकात हुई. इसके साथ ही उन्होंने देश के नौजवानों का आभार भी जताया।

राहुल गांधी ने कहा कि मैं देश के हजारों नौजवानों का धन्यवाद करना चाहता हूं कि वे संविधान के लिए लड़े, शिक्षा में सुधार के लिए लड़े, भारत के भविष्य के लिए लड़े. कांग्रेस सांसद ने कहा कि छात्रों के साथ हुई मुलाकात का मुख्य मुद्दा हिंसा था वायलेंस था. इनका कहना है कि इन्होंने किसी पर हिंसा नहीं की लेकिन इनका लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है।

कांग्रेस सांसद ने कहा, इनको धमकाया गया, इन पर लाठियां चलाई गईं. इनको मारा गया. राहुल गांधी ने कहा, मुझे बहुत अच्छा लगा जो मुख्य बात इन्होंने बोली कि जब अन्याय होता है चाहे किसी और पर भी अन्याय होता है नागरिक होने के नाते हमारी जिम्मेदारी है कि हम उस व्यक्ति की रक्षा करें. राहुल गांधी ने कहा ये मुझे संवैधानिक और राष्ट्रीय मूल्य लगते हैं. मुझे सभी नौजवानों पर गर्व है. आपने कुछ भी गलत नहीं किया।

बिना इंश्योरेंस गाड़ी को नहीं मिलेगा पेट्रोल! सुप्रीम कोर्ट का बड़ा सुझाव, थर्ड-पार्टी बीमा अवधि भी बढ़ाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। यदि आपकी गाड़ी का इंश्योरेंस नहीं है, तो आने वाले समय में पेट्रोल पंप पर ईंधन मिलना मुश्किल हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बिना बीमा वाले वाहनों पर सख्ती की जरूरत बताते हुए सुझाव दिया कि जिन वाहनों का वैध बीमा नहीं है, उन्हें पेट्रोल-डीजल न दिया जाए। साथ ही ऐसे वाहनों की पहचान कर उनके मालिकों का ई-चालान भी किया जाए।जस्टिस संजय करोल और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने कहा कि देश की सड़कों पर चल रहे करीब 56 प्रतिशत वाहन, जिनमें अधिकांश दोपहिया हैं, बिना बीमा के हैं। यह स्थिति मोटर वाहन अधिनियम की धारा 146 के उद्देश्य को ही विफल कर देती है। इससे सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा पाने के लिए लंबी कानूनी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।देश में 30.4 करोड़ पंजीकृत वाहनों में से करीब 16.5 करोड़ वाहन बिना बीमा के हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं के 22 प्रतिशत मामलों में बिना बीमा वाले वाहन शामिल होते हैं।

भाकपा का देश व्यापी पद यात्रा अभियान आज से, बदलाव ज़रूरी है का आव्हान

भोपाल (ए.) । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने बदलाव ज़रूरी है के आव्हान के साथ आगामी 6 अगस्त से 14 अगस्त तक देश व्यापी पद यात्रा अभियान की घोषणा की है । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि भारत में वर्ष 2014 से फासीवाद के गहराते संकट और पूंजीवादी जन विरोधी नीतियों के शिकंजे से जनता त्रस्त है। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का आचरण और प्रवृत्तियां भारत के संवैधानिक मूल्यों के विपरीत हैं । इसलिए जन हित की रक्षा के लिए प्रतिबद्धता की और फासीवाद के प्रतिरोध के संकल्प की अभिव्यक्ति के लिए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने देश व्यापी पद यात्राओं का आव्हान किया है। मध्य प्रदेश में भी विभिन्न जिलों में भाकपा की पद यात्राओं का आयोजन होगा। इन पद यात्राओं के माध्यम से जनहित की विभिन्न मांगों को रेखांकित किया जाएगा और केन्द्र सरकार की फासीवादी जन विरोधी नीतियों के खिलाफ़ जनता को जागरूक किया जाएगा । इन देश व्यापी पद यात्राओं के बाद बदलाव ज़रूरी है के आव्हान को लेकर आगामी 1 सितम्बर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की विशाल आमसभा आयोजित होगी। इसमें सारे देश से लाखों भाकपा सदस्य शामिल होंगे।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने आम जनता से अपील की है कि भाजपा सरकार द्वारा किये जा रहे शोषण और अन्याय के खिलाफ प्रतिरोध की अभिव्यक्ति हेतु इन पद यात्राओं में शामिल हों।

लोकसभा सचिवालय के निदेशक नोएडा में फ्लैट के अंदर फांसी से लटके मिले, सुसाइड नोट बरामद

नई दिल्ली/नोएडा (आरएनएस)। दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा में बुधवार को लोकसभा सचिवालय के 40 वर्षीय निदेशक गौरव गौतम का शव मिलने से हड़कंप मच गया। गौतम नोएडा के सेक्टर-82 स्थित केंद्रीय विहार-2 सोसाइटी में रहते थे। उनका शव फ्लैट के अंदर छत के पंखे से लटका हुआ था। घटना के समय गौतम की पत्नी अपने मायके गई थीं। उनके लौटने पर घटना का खुलासा हुआ है। पुलिस को एक सुसाइड नोट भी मिला है। मामले की जांच चल रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, गौतम की पत्नी जब बुधवार को अपने मायके से लौटीं तो फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद था।

विद्यार्थियों के चेहरे पर मुझे दिखता है भारत का भविष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में छात्राओं और शिक्षकों के साथ किया संवाद

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की वह कुंजी है, जो विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुँचाती है। आज इन युवाओं के चेहरों पर ही मुझे भारत का उज्ज्वल भविष्य दिखाई देता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को टी.टी. नगर स्थित कमला नेहरू सांदीपनि शासकीय कन्या विद्यालय में छात्राओं और शिक्षकों के साथ आयोजित आत्मीय संवाद कार्यक्रम में कही। विद्यालय में संवाद के दौरान मास्टर ट्रेनर की भूमिका में नज़र आए। उन्होंने छात्राओं को सफलता के अनमोल टिप्स दिए और भरोसा दिलाया कि आज का विद्यार्थी ही कल का भारत है। विद्यार्थियों के हर सपने को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में युवा वर्ग की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि अमृतकाल की यह युवा पीढ़ी ही प्रदेश और देश को प्रगति की नई ऊँचाइयों पर ले जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश का अमृतकाल चल रहा है। आज के युवा देश की अमृत पीढ़ी हैं, देश के नवनिर्माता हैं। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना युवा वर्ग मिलकर ही पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि आज यदि युवा के पास कुछ कर गुजरने के बड़े सपने हैं, तो मैं खुद और हमारी पूरी सरकार आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने सपने को पूरा करने के लिए जी-तोड़ मेहनत कीजिए, क्योंकि भविष्य का मध्यप्रदेश और विकसित भारत का सपना आपकी मेहनत से ही साकार होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कमला नेहरू सांदीपनि कन्या शासकीय विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं, लायब्रेरी, संगीत कक्ष, प्रयोगशाला कक्ष सहित अन्य व्यवस्थाओं का मुआयना किया। विद्यालय की बालिकाओं ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पौधा भेंटकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि मैं भी ऐसे ही किसी सरकारी विद्यालय में ही पढ़ा हूं। हमारे समय में स्कूलों में इतनी सुविधाएं नहीं होती थीं। भारत को अपनी शिक्षा व्यवस्था और ज्ञान के बल पर विश्व में सम्मान मिलता है। भारत का अर्थ है कि जो अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने में लीन हो। इसी प्रकार गुरु भी हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं। भारतीय संस्कृति जियो और जीने दो, वसुधैब कुटुम्बकम की संस्कृति है। भारतीय गुरूकुल परंपरा और शिक्षा व्यवस्था का गौरवशाली इतिहास रहा है। भारत के अलावा दुनिया में कई ऐसे देश हैं, जो आर्थिक रूप से ज्यादा शक्तिशाली हैं, लेकिन सिर्फ धन से देश नहीं चलता है। देश जीवन मूल्यों और संस्कारों के साथ आगे बढ़ता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे सांदीपनि विद्यालय इस वक्त देश के सबसे अच्छे विद्यालय हैं। अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि इस कमला नेहरू स्कूल की 58 छात्राएं मेरिट में उत्तीर्ण हुई हैं। आज निजी विद्यालयों के बच्चे भी सांदीपनि विद्यालयों में आने के लिए लालायित हैं। बच्चे पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर, सेना में अफसर बनें। विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

MP में बस का सफर महंगा

अब दो रुपए/किलोमीटर के हिसाब से किराया वसूलेंगे ऑपरेटर; इंदौर-भोपाल की यात्रा पर रू 40 का फर्क

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेशवासियों पर महंगाई की एक और मार पड़ी है। परिवहन विभाग ने बसों का किराया 75 पैसे प्रति किलोमीटर बढ़ा दिया है। इस फैसले के बाद यात्रियों से प्रति किलोमीटर दो रुपए किराया वसूला जाएगा। ये अधिकतम 10 रुपए तक हो सकता है। अगर कोई यात्री 100 किलोमीटर का सफर करता है तो मौजूदा दर के हिसाब से उसे 125 रुपए किराया देना पड़ता है। 75 रुपए की बढ़ोतरी होने के बाद अब यात्री को 200 रुपए देने होंगे। जैसे- चार्टर बस में भोपाल से इंदौर का किराया 400 रुपए तक होता है जबकि निजी ट्रेवल्स की बसों में 300 से 350 रुपए तक लिए जाते हैं। अब इसमें करीब 40 रुपए बढ़ सकते हैं।सरकार ने बढ़े हुए किराए का नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया है। ये फैसला मध्य प्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के 7 अगस्त से हड़ताल पर जाने की चेतावनी के बाद लिया गया है। सोमवार को मध्य प्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन की परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह और विभागीय अफसरों के साथ बैठक हुई थी। इसमें राज्य सरकार ने किराया बढ़ाने के संकेत दिए थे। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सहमति भी बताई गई थी। मध्य प्रदेश बस ऑनर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष पांडेय ने कहा- राज्य सरकार ने पांच साल से बसों का किराया नहीं बढ़ाया है। अभी

स्थिति यह है कि एक या दो बसों के संचालक डीजल का खर्च तक नहीं निकाल पा रहे हैं। हमने राज्य सरकार से पांच मांगों को पूरा करने के लिए कहा है। अगर सरकार इन्हें पूरा नहीं करती है तो 7 अगस्त की रात 12 बजे से प्रदेशभर में बसों का संचालन रोक दिया जाएगा। 40 रूट पर निजी बसों के संचालन की परमिशन भी मांगीएसोसिएशन अध्यक्ष पांडेय ने कहा- राज्य सरकार ने 40 रूट पर केवल मुख्यमंत्री सुगम बस परिवहन सेवा के लिए परमिट देने का फैसला किया है। 20 फरवरी के इस नोटिफिकेशन को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। हमने इसे निरस्त करने की मांग की है। अगर निजी बसों को इन रूट पर नहीं चलने दिया जाता है तो हड़ताल होगी। सरकार चाहे तो फ्रीक्केंसी के आधार पर बस संचालन की अनुमति दे सकती है।

राशन वितरण व्यवस्था में डिजिटल क्रांति की शुरुआत, भोपाल-इंदौर से शुरु होगा पीडीएस का नया मॉडल, डिजिटल रुपये से मिलेगा खाद्यान्न

भोपाल(ए)। मध्य प्रदेश की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) अब डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को अब भारतीय रिजर्व बैंक की केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के माध्यम से खाद्यान्न उपलब्ध कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इस नई व्यवस्था से राशन वितरण प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, कैशलेस और तकनीक आधारित होगी।प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार ने इस महत्वाकांक्षी पायलट परियोजना के लिए मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर का चयन किया है। लक्ष्य है कि दिसंबर 2026 तक इन दोनों शहरों की सभी उचित मूल्य दुकानों पर यह व्यवस्था लागू कर दी जाए।नई प्रणाली के तहत पात्र हितग्राहियों को उनकी मासिक खाद्यान्न पात्रता के अनुरूप सीबीडीसी डिजिटल टोकन सीधे उनके डिजिटल वॉलेट में भेजे जाएंगे। राशन प्राप्त करने के लिए हितग्राही को केवल अपने मोबाइल ऐप के माध्यम से उचित मूल्य दुकान पर उपलब्ध क्यूआर कोड स्कैन करना होगा। टोकन सत्यापित होते ही पात्रता के अनुसार गेहूं, चावल एवं अन्य खाद्यान्न उपलब्ध करा दिया जाएगा। खाद्य मंत्री राजपूत ने कहा कि यह व्यवस्था सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बढ़ाने, खाद्यान्न वितरण में लीकेज रोकने तथा सब्सिडी के दुरुपयोग पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन में तीन विशेष प्रदर्शनियां बनीं आकर्षण का केंद्र

प्रोजेक्ट मौसम, 'वृहत्तर भारत' और 'ज्ञान भारतम्' के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत का हो रहा प्रदर्शन

7 एवं 9 अगस्त को नागरिकों के लिए खुली रहेंगी प्रदर्शनियां, सांस्कृतिक विरासत और ज्ञान परंपरा का मिलेगा प्रत्यक्ष अनुभव

भोपाल (निप्र)। ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन का आयोजन कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में 5 से 8 अगस्त तक किया जा रहा है। सम्मेलन में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, समुद्री सभ्यता, ज्ञान परंपरा और ब्रिक्स देशों के साझा सांस्कृतिक संबंधों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से 'प्रोजेक्ट मौसम', 'वृहत्तर भारत' और 'ज्ञान भारतम्' विषयक तीन विशेष प्रदर्शनियां आयोजित की गई हैं। प्रतिनिधियों एवं आगंतुकों के लिए प्रदर्शनियां प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इनसे भारत की समुद्री विरासत, ज्ञान परंपरा और वैश्विक सांस्कृतिक सहयोग को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया जा रहा है। प्रदर्शनियां 7 एवं 9 अगस्त को आम नागरिकों के लिए भी खुली रहेंगी, जहां भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, वैश्विक सांस्कृतिक विविधता और ज्ञान परंपरा का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) एवं केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय के लिए 'डिजाइन फैक्ट्री इंडिया' द्वारा विकसित 'प्रोजेक्ट मौसम' प्रदर्शनी आगंतुकों को मानसूनी हवाओं से आकार लेने वाली साझा समुद्री विरासत और हिंद महासागर क्षेत्र में दो सहस्राब्दियों से अधिक समय से विकसित सांस्कृतिक संबंधों की ऐतिहासिक यात्रा से परिचित कराती है।

'प्रोजेक्ट मौसम' संस्कृति मंत्रालय की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य साझा सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और समुद्री विरासत से हिंद महासागर क्षेत्र से जुड़े देशों के बीच प्राचीन संबंधों को पुनर्जीवित करना है। शोध, संरक्षण, दस्तावेजीकरण और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से यह परियोजना सदियों पुराने सांस्कृतिक संपर्कों को सुदृढ़ बनाने और अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा दे रही है। प्रदर्शनी में यूनेस्को के लिए बहुराष्ट्रीय विश्व धरोहर नामांकन की अवधारणा को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है। इसमें ऐतिहासिक व्यापारिक मार्गों, तटीय बस्तियों, धार्मिक नेटवर्क और सांस्कृतिक परिदृश्यों को साझा वैश्विक विरासत के रूप में संरक्षित किए जाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है।प्रदर्शनी की शुरुआत एक इमर्सिव फिल्म से होती है, जो मानसूनी हवाओं के प्रभाव से विकसित समुद्री व्यापार मार्गों और हिंद महासागर क्षेत्र में हुए सांस्कृतिक आदान-प्रदान की कहानी प्रस्तुत करती है। 'सेल विद द मॉनसून' गतिविधि में आगंतुक ओरिगामी कला से नाव बनाकर उस पर साझा विरासत से जुड़े अपने विचार अंकित करते हैं। वहीं 'डिस्कवर शेयर्ड हेरिटेज' डिजिटल इंटरैक्टिव से भारत और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के साझा विरासत स्थलों की जानकारी दी जा रही है।

व्याख्यात्मक ग्राफिक्स पैनलों में व्यापार, धर्म, प्रवासन और ज्ञान के आदान-प्रदान को आकर्षक ढंग से दर्शाया गया है। वहीं एक विशेष रोडमैप से विरासत स्थलों की पहचान, जीआईएस आधारित दस्तावेजीकरण, क्षेत्रीय अनुसंधान, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, यूनेस्को नामांकन, क्षमता निर्माण, संरक्षण प्रशिक्षण तथा डिजिटल अभिलेखागार की पूरी प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया गया है।

नस्ल सुधार के लिए सॉर्टेड सेक्स्ड सीमेन तकनीक अपनाने पशुपालकों को करें जागरुक : डॉ. सुदाम पी. खाड़े

भोपाल (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के नवागत सचिव डॉ. सुदाम पी. खाड़े ने बुधवार को भोपाल स्थित पशुपालन एवं डेयरी विभाग संचालनालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा।सचिव डॉ. खाड़े ने विभाग में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। नवाचारों के क्रियान्वयन, आवंटित बजट, लक्ष्य और वर्तमान प्रगति की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिला स्तर पर दवाइयों, उपकरणों की उपलब्धता, उनकी गुणवत्ता, तथा इनके प्रोक्योरमेंट सिस्टम, विभाग में चल पशु चिकित्सा इकाइयों (मोबाइल वेटरनरी यूनिट) की जानकारी, डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना एवं दुग्ध उत्पादन से संबंधित योजना की भी जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम तथा मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड की योजनाओं एवं गतिविधियों को लेकर चर्चा की। सॉर्टेड सेक्स्ड सीमेन तकनीक को बढ़ाए जाने और प्रदेश में पशुओं के लिए साइलेज की उपलब्धता बढ़ाए जाने के निर्देश दिए।

बेकाबू कार बंद रेस्टोरेंट में घुसी, चालक समेत दो घायल

भोपाल,(ए)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के लालघाटी चौराहे पर बुधवार तड़के करीब तीन बजे तेज रफ्तार क्रेटा कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक बंद रेस्टोरेंट में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेस्टोरेंट के सामने लगे पिलर क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए और पुलिस को सूचना दी। कोहेफिजा थाना पुलिस के अनुसार कार में हबीब और सुफियान नाम के दो युवक सवार थे। हादसे में दोनों को मामूली चोटें आई हैं। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार (ओवरस्पीडिंग) माना जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाया। दुर्घटना में रेस्टोरेंट संचालक को आर्थिक नुकसान हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चालक की मेडिकल जांच (एमएलसी) कराई जा रही है, ताकि यह भी स्पष्ट हो सके कि दुर्घटना के समय वह किसी नशे के प्रभाव में था या नहीं।फिलहाल हादसे में किसी अन्य व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

डेंगू माह जुलाई में अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रावासों में चलाया गया जन - जागरुकता अभियान

भोपाल ,(ए)। जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव के निर्देशन में भोपाल जिले में डेंगू निरोधक माह 2026 में विशेष गतिविधियों के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के विभिन्न जोन में एवं बैरसिया / गांधीनगर के अनुसूचितजाति एवं जनजाति छात्रावासों में जन-जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।भोपाल जिले में जोन क्रमांक- 06 के जोन सुपरवाईजर मनोज तिवारी एवं उनकी टीम द्वारा पंचशील नगर में शा.अ. जा.महा. कन्या परिसर के 06 छात्रावास, जोन क्रमांक- 08, 10 के जोन सुपरवाईजर दिलीप बाथम एवं उनकी टीम द्वारा शिवाजी नगर, भरत नगर में शा.अ.जा. सीनियर कन्या एवं 04 छात्रावास, जोन क्रमांक-11 के जोन सुपरवाईजर निलेश पांडे एवं उनकी टीम द्वारा गोविंदपुरा में शा.अ.जा.महा. बालक परिसर के 02 छात्रावासों, जोन क्रमांक-15 के जोन सुपरवाईजर, मृगेन्द्र सिंह एवं उनकी टीम द्वारा पटेल नगर में शा.अ. जा. सीनियर बालक एवं कन्या 03 छात्रावासों जोन क्रमांक-18 के जोन सुपरवाईजर एलिक जॉन उनकी टीम द्वारा कोलार, कटारा हिल्स में शा.अ.जा..सीनियर बालक एवं कन्या 03 छात्रावासों, जोन क. 21 के जोन सुपरवाईजर मनोज बाथम एवं उनकी टीम द्वारा श्यामला हिल्स, प्रोफेसर कालोनी, भदभदा, रातीबढ शा.अ.जा.. सीनियर बालक एवं कन्या 17 छात्रावासों को मिलाकर शहरी क्षेत्र 35 एवं गांधीनगर / बैरसिया शा.अ.जा.. सीनियर बालक एवं कन्या बैरसिया, नजीरबाद, हर्राखेडा, बडवई, रातीबढ, फन्दा, खजूरी सडक में ग्रामीण क्षेत्र क्रमांक-18 छात्रावासों को मिलाकर कुल 53 छात्रावासों में जन-जगरूकता अभियान के साथ-साथ फीवर सर्वे, लार्वा सर्वे, लार्वा विनिष्टीकरण, छिड़काव कार्य एवं प्रचार-प्रसार किया गया।

एसडीईआरएफ के 90 दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण का सफल समापन

44 प्रशिक्षित जवान आपदा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए हुए तैयार महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने वितरित किए प्रमाण-पत्र

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस के राज्य आपदा आपातकालीन प्रतिक्रिया बल (SDERF) में प्रतिनियुक्त जवानों के 90 दिवसीय बेसिक प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह में महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी जवानों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए तथा प्रशिक्षण के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम तीन प्रशिक्षार्थियों को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए महानिदेशक श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव ने कहा कि एसडीईआरएफ मध्यप्रदेशकी एक अत्यंत महत्वपूर्ण इकाई है, जो आपदाओं के समय त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्यों के माध्यम से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से जवानों की कार्यकुशलता, तकनीकी दक्षता एवं आपदा प्रतिक्रिया क्षमता में और अधिक वृद्धि होगी, जिससे वे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से जनसेवा कर सकेंगे। उन्होंने प्रशिक्षार्थियों से प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल का पूर्ण समर्पण और संवेदनशीलता के साथ जनहित में उपयोग करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में 44 जवानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें आपदा प्रबंधन एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया से जुड़े विभिन्न विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें बाढ़ आपदा प्रबंधन, ध्वस्त संरचनाओं में खोज एवं बचाव (Collapsed Structure Search & Rescue), प्राथमिक उपचार (First Aid), सीबीआरएन (Chemical, Biological, Radiological and Nuclear) आपदाओं में बचाव एवं प्रतिक्रिया सहित अन्य विशेषीकृत आपदा प्रबंधन तकनीकों का प्रशिक्षण शामिल रहा। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद ये जवान एसडीईआरएफ की विशेष आपदा प्रतिक्रिया टीम के सदस्य के रूप में प्रदेश में प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में अपनी सेवाएँ देंगे। शासन के प्रचलित प्रावधानों के अनुसार उन्हें 50 प्रतिशत जोखिम भत्ता (Risk Allowance) भी प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण की विशेष उपलब्धि भिंड जिले में आपदा राहत कार्य के दौरान शहीद हुए एसडीईआरएफ जवान की धर्मपत्नी श्रीमती डॉली कुशवाह की सहभागिता रही। उन्होंने प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण कर सेवा, साहस एवं समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल प्रस्तुत की। उनका यह संकल्प राष्ट्रसेवा के प्रति अटूट निष्ठा तथा कर्तव्यपरायणता का प्रतीक है। समारोह में उप पुलिस महानिरीक्षक अमित सांधी, संभागीय सेनानी श्रीमती संगीता डी. कुमार, कमलेंद्र परिहार सहित एसडीईआरएफ के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

9 अगस्त को टी.टी. नगर में निकलेगी भव्य 'तिरंगा यात्रा'

भोपाल (ए.)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कहा है कि भोपाल के टी.टी. नगर क्षेत्र में 9 अगस्त को आयोजित होने वाली 'तिरंगा यात्रा' भव्य, गरिमामय और व्यापक जनभागीदारी वाली होनी चाहिए। यह यात्रा समाज पर देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और स्वाभिमान का उत्कृष्ट एवं अमिट प्रभाव छोड़े। आयोजन से संबंधित सभी प्रशासनिक एवं मैदानी तैयारियां समय पर और त्रुटिरहित ढंग से पूरी की जाएं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने टी.टी. नगर स्टेडियम परिसर में आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था निर्धारित मानकों के अनुरूप हो तथा समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि शासन की मंशा और निर्देशों के अनुरूप 'हर घर तिरंगा' अभियान 9 से 17 अगस्त 2026 तक संपूर्ण प्रदेश में जन-आंदोलन के रूप में संचालित किया जाएगा। इस वर्ष अभियान का महत्व इसलिए भी विशेष है, क्योंकि राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के गौरवशाली 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। तिरंगा यात्रा में राष्ट्रप्रेम और 'वंदे मातरम्' की भावना को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया जाएगा।

ममता, समर्पण और संकल्प की मिसाल बनीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शर्मिला ठाकुर

विशेष आवश्यकता वाले बच्चे को दी नई पहचान, सैकड़ों महिलाओं और बेटियों को हुनर से बनाया आत्मनिर्भर

भोपाल (आरएनएस)। समाज में वास्तविक परिवर्तन केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों के समर्पण से आता है जो अपने दायित्व को सेवा और साधना का माध्यम बना लेते हैं। मध्यप्रदेश के देवास जिले के सदाशिव नगर (सिविल लाइंस) स्थित आंगनवाड़ी केंद्र की कार्यकर्ता शर्मिला ठाकुर ऐसी ही प्रेरणादायी शख्सियत हैं, जिन्होंने अपने संवेदनशील प्रयासों से न केवल एक विशेष आवश्यकता वाले बच्चे के जीवन में नई उम्मीद जगाई, बल्कि अनेक महिलाओं और बेटियों को आत्मनिर्भर बनाकर समाज में सकारात्मक बदलाव की नई इबारत लिखी है। शर्मिला ठाकुर ने अपने कार्यक्षेत्र में एक ऐसे बच्चे की जिम्मेदारी उठाई, जो मानसिक रूप से विशेष आवश्यकताओं के साथ जीवन जी रहा था। उन्होंने केवल शासकीय दायित्व निभाने तक स्वयं को सीमित नहीं रखा, बल्कि परिवार के साथ सतत संपर्क बनाए रखते हुए बच्चे के स्वास्थ्य, उपचार, नियमित देखभाल और व्यवहारिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया। धैर्य, स्नेह और निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप बच्चे में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को विधानसभा के सेंट्रल हाल में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. द्वारका प्रसाद मिश्र की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की

नशे के विरुद्ध जन-जन तक अभियान पहुंचाने के लिए सभी विभाग प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें : कलेक्टर

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष झाबुआ में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय नशामुक्ति अभियान समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित नशामुक्ति गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में कलेक्टर डॉ. भरसट ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता अभियान को जन-जन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए समन्वित एवं परिणामोन्मुख कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संचालित सामाजिक अभियान है। प्रत्येक विभाग अपने दायित्वों का प्रभावी निर्वहन करते हुए विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित करे तथा युवाओं, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करे। कलेक्टर ने नशामुक्ति केन्द्र की स्थापना के लिए पात्र संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित करने, युवा आइकॉन एवं ब्रांड एम्बेसडर तैयार करने, नशा छोड़ चुके व्यक्तियों को सम्मानित करने, विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर नशामुक्ति विषयक प्रतियोगिताओं का आयोजन करने, एनसीसी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों को अभियान से जोड़ने तथा अवैध मादक पदार्थों एवं अवैध शराब के विरुद्ध सघन एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा घेरा तोड़ते हुए दौड़ी स्कॉर्पियो, मची अफरा-तफरी; कार छोड़कर भागा ड्राइवर

ग्वालियर (ए.)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक काले रंग की स्कॉर्पियो प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंच गई। प्लेटफार्म पर मौजूद यात्रियों ने स्कॉर्पियो को अपनी ओर आते देख प्लेटफार्म पर भगदड़ मच गई। तमाम सुरक्षा व्यवस्थाओं की घेराबंदी को पार कर यह स्कॉर्पियो प्लेटफार्म पर दौड़ते हुए नजर आई, जिस समय स्कॉर्पियो प्लेटफार्म पर पहुंची उस वक्त हजारों की संख्या में यात्री वहां मौजूद थे।इसके साथ ही स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य में लगे सैकड़ो की संख्या में मजदूर भी वहां पर काम कर रहे थे, ऐसे में किसी भी प्रकार का बड़ा हादसा हो सकता था, ग्वालियर रेल्वे स्टेशन पर हर रोज लगभग 50 हजार से अधिक यात्री आते जाते हैं।

अमरकंटक के रंगमहल मंदिर के पातालेश्वर महादेव आखिर कब मुक्त होंगे, न्यायालय के आदेश के बाद भी पूजा-अर्चना नहीं

अनूपपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में मां नर्मदा की पावन नगरी अमरकंटक स्थित प्राचीन कलचुरीकालीन रंगमहल मंदिर एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। इस मंदिर को पुरातत्व विभाग अपने नियंत्रण में ले रखा है। मंदिर में विराजमान पातालेश्वर महादेव, भगवान विष्णु, सत्यनारायण एवं अन्य देवस्थानों में नियमित पूजा-अर्चना शुरू न होने को लेकर धार्मिक संगठनों और श्रद्धालुओं में असंतोष व्याप्त है।भगवा पार्टी ने इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए मांग की है कि न्यायालय के आदेश का पालन कराने तथा श्रद्धालुओं को निर्बाध दर्शन और पूजा का अधिकार मिले।

यह बात बुधवार को भगवा पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल मिश्र ने पत्रकारों से कही। जिला अध्यक्ष कन्हैयालाल मिश्र ने कहा कि रंगमहल मंदिर निजी धार्मिक संपत्ति है तथा यहां पूजा-अर्चना का अधिकार न्यायालय द्वारा भी मान्य किया जा चुका है।

झाबुआः ग्राम वागलावाट मोहनिया में एईएस संदिग्ध बालक की मृत्यु, स्वास्थ्य विभाग हुआ सक्रिय

झाबुआ,(ए.)। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिला अंतर्गत आने वाले विकासखंड राणापुर के ग्राम वागलावाट मोहनिया में एक बालक की तेज बुखार, लगातार उल्टी, झटके एवं अचेतन अवस्था के उपरांत उपचार के दौरान मृत्यु होने पर एक्यूट एन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) होने की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए जिले के स्वास्थ्य विभाग द्वारा तत्काल जिला स्तरीय रैपिड रिस्पॉन्स टीम की सहायता से सक्रियता पूर्वक कार्यवाही शुरू कर दी गई।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ चौपड़ा ने बुधवार को बताया कि के आज जिला स्तरीय टीम ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा करते हुए घर-घर स्वास्थ्य सर्वेक्षण, रोग अन्वेषण तथा जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की। अभियान के अंतर्गत ग्राम वागलावाट मोहनिया, आंबापाड़ा एवं बडलीपाड़ा क्षेत्र के लगभग 380 घरों में 15 वर्ष तक के बच्चों की स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की गई है। आज किए गए सर्वेक्षण के दौरान ग्राम वागलावाट मोहनिया में किसी भी अन्य एईएस संदिग्ध मरीज की पहचान नहीं हुई। डॉ चौपड़ा के अनुसार वर्तमान में क्षेत्र की स्थिति सामान्य एवं नियंत्रण में है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावित क्षेत्र की सतत निगरानी की जा रही है तथा राज्य स्तर से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय निरंतर जारी हैं।

श्रद्धालुओं की सामूहिक कांवड़ यात्रा शुरू, 160 किमी पैदल चलकर करेंगे महाकाल का जलाभिषेक

राजगढ़ (ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में सावन माह में बुधवार को भगवान शिव के प्रति आस्था का अनूठा उत्साह देखने को मिला। नगर स्थित ओंकारनाथ मंदिर से 200 से अधिक श्रद्धालु सामूहिक कांवड़ यात्रा लेकर उज्जैन के लिए रवाना हुए।श्रद्धालु करीब 160 किलोमीटर की पैदल यात्रा पांच दिनों में पूरी कर बाबा महाकालेश्वर के दरबार पहुंचेंगे और पवित्र जल से भगवान महाकाल का जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ यात्रा का शुभारंभ ओंकारनाथ मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके बाद डीजे पर गूंजते शिव भजनों, हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल के जयघोष के बीच श्रद्धालु नगर के प्रमुख मार्गों से होकर आगे बढ़े। यात्रा के दौरान जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शरबत और प्रसादी की व्यवस्था भी की गई। जय श्री महाकाल सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा को सावन माह की पहली सामूहिक कांवड़ यात्रा बताया जा रहा है। समिति के अनुसार आसपास के गांवों से 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने पंजीयन कराकर यात्रा में भाग लिया है। यात्रा खिलचीपुर से शुरू होकर जीरापुर, सुसनेर और आगर होते हुए उज्जैन पहुंचेगी। श्रद्धालु प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर पैदल चलेंगे और पांचवें दिन महाकाल मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यात्रा के साथ चार ट्रेक्टर भी रवाना किए गए हैं, जिनमें भोजन, पेयजल, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री रखी गई है।

ई-रिक्शा में सवारी बैठाकर बनाते थे निशाना, चोरी के पैसों से बना डाला 2.5 करोड़ का आलीशान बंगला; 18 सालों में 40 वारदातों का खुलासा

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश की इंदौर पुलिस ने एक शातिर अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो ई-रिक्शा को अपनी वारदातों का मुख्य हथियार बनाता था। पुलिस ने इस गिरोह के मास्टरमाइंड समेत अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनके पास से करीब 20 लाख रुपये का चोरी का माल भी बरामद किया गया है। गिरोह के सदस्य रेलवे स्टेशनों और बस स्टैंड्स पर अकेले सफर करने वाले यात्रियों, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों पर नजर रखते थे। ये सभी शातिर एक ही शेयरिंग ई-रिक्शा में सवार हो जाते थे। सफर के दौरान गिरोह के अन्य सदस्य यात्रियों को बातों में उलझाए रखते थे, जबकि मास्टरमाइंड मौका पाकर बैग से पर्स, नकदी और जेवर पार कर देता था। वारदात को अंजाम देने के तुरंत बाद आरोपी अलग-अलग स्थानों पर उतरकर फरार हो जाते थे। हाल ही में महाराष्ट्र से इंदौर अपनी बेटी को ससुराल छोड़ने आए 60 वर्षीय पवन सिंह इस गिरोह का शिकार बने।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत बनी एवं सामली का किया निरीक्षण, किसानों से किया संवाद

झाबुआ (ए.)। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने ग्राम पंचायत बनी एवं सामली का भ्रमण कर फसल बीमा से वंचित कृषकों के खेतों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों की जानकारी ली। कलेक्टर डॉ. भरसट ने किसानों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए शासन स्तर पर आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी आवश्यक जानकारी संकलित कर प्रकरणों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा उपस्थित रहे।

व्यापार समाचार

ईंधन कीमतों को काबू में रखने के लिए सरकार जारी रखेगी राहत उपाय

नई दिल्ली (ए.)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और उससे तेल एवं गैस की कीमतों में आई तेजी के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि वह पेट्रोल और डीजल की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए आगे भी आवश्यक वित्तीय और प्रशासनिक कदम उठाती रहेगी। सरकार का कहना है कि उपभोक्ताओं पर बढ़ती वैश्विक ऊर्जा कीमतों का बोझ कम से कम पड़े, इसके लिए स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि इस साल सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। यह फैसला पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईंधन कीमतों में आई तेजी के प्रभाव को कम करने के लिए लिया गया था।

मंत्री ने बताया कि शुल्क में इस कटौती के कारण वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार को लगभग 1.23 लाख करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। हालांकि, इससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिली और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को भी बढ़ती लागत के दबाव से कुछ हद तक राहत मिली।

उन्होंने कहा कि उत्पाद शुल्क में कमी से सरकारी तेल कंपनियों द्वारा वहन की जा रही आंशिक घाटे की स्थिति को संतुलित करने में मदद मिली, जिससे वे बिना किसी व्यवधान के देश भर में ईंधन की आपूर्ति जारी रख सकीं।

पंकज चौधरी ने स्पष्ट किया कि सरकार भविष्य में भी ईंधन कीमतों में होने वाली अस्थिरता के प्रभाव को कम करने के लिए जरूरत के अनुसार कदम उठाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि ऐसे उपायों से देश की वित्तीय स्थिति पर अनावश्यक दबाव न पड़े और राजकोषीय अनुशासन बना रहे। सरकार की रणनीति राजस्व और खर्च के रुझानों पर लगातार नजर रखने, प्राथमिकताओं के अनुसार सरकारी व्यय में बदलाव करने और आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक वित्तीय फैसले लेने पर आधारित है। मंत्री के अनुसार, इससे सरकार अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आने वाली तेजी जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपट सकती है। उन्होंने कहा कि सरकार बजटीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और राजकोषीय संतुलन के लक्ष्य पर आगे बढ़ने के साथ-साथ ऐसे झटकों का सामना करने की क्षमता भी बनाए रखेगी।ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए सरकार कई मोर्चों पर काम कर रही है, जिसमें कच्चे तेल के आयात स्त्रोतों में विविधता लाना, सामरिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार, वैकल्पिक और स्वच्छ ईंधनों को बढ़ावा देना तथा ऊर्जा दक्षता में सुधार जैसे कदम शामिल हैं। सरकार का मानना है कि इससे देश की अर्थव्यवस्था बाहरी ऊर्जा झटकों के प्रति कम संवेदनशील बनेगी और दीर्घकालिक आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

2000 रुपए से ज्यादा के UPI पेमेंट पर लगेगा चार्ज? जानें आम यूजर्स पर कितना पड़ेगा असर

नई दिल्ली (ए.)। हाल ही में वित्त मंत्रालय ने संसद में 'भुगतान और निपटान प्रणाली (संशोधन) विधेयक, 2027' पेश किया है। इस बिल में मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) को फिर से लागू करने का प्रस्ताव है, जिसके तहत 2000 रुपये से ज्यादा के भुगतान पर चार्ज लगाने की बात कही गई है। इस खबर के बाहर आते ही सोशल मीडिया पर तरह-तरह के दावे और भ्रम फैलने लगे कि अब आम लोगों को यूपीआई (UPI) से पेमेंट करने पर अपनी जेब ढीली करनी पड़ेगी। लेकिन, सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। आइए विस्तार से समझते हैं कि आखिर यह 2000 रुपये की लिमिट क्या है और इसका सीधा असर किस पर पड़ेगा।

आम यूजर्स पर नहीं पड़ेगा कोई असर

सबसे पहले यह साफ कर लें कि इस नए प्रस्ताव का आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। अगर आप दूध, सब्जी, राशन, किराने का सामान खरीदते हैं या फिर ऑटो-टैक्सी का किराया चुकाते हैं, तो आपको पहले की तरह कोई चार्ज नहीं देना होगा। सूत्रों के मुताबिक, यह प्रस्ताव विशेष रूप से 2000 रुपये से अधिक के 'मर्चेंट ट्रांजेक्शन' (व्यापारिक लेन-देन) और बड़े कमर्शियल संस्थानों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

कंज्यूमर टू कंज्यूमर (CwC) पेमेंट रहेगा एकदम फ्री

अगर आप अपने किसी दोस्त, रिश्तेदार या परिवार के सदस्य को 2000 रुपये या उससे ज्यादा की रकम भेजते हैं (Consumer to Consumer), तो यह पूरी तरह से मुफ्त (फ्री) रहेगा। आम यूजर्स के लिए यूपीआई की सामान्य लिमिट पहले की तरह ही एक लाख रुपये प्रतिदिन बनी रहेगी। इसके अलावा अस्पताल, स्कूल-कॉलेज की फीस या टैक्स चुकाने जैसी विशेष श्रेणियों में यह लिमिट और भी ज्यादा है।

आखिर क्या है MDR और किसे देना होगा चार्ज?

मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) वह शुल्क (चार्ज) होता है, जो कोई व्यापारी डिजिटल पेमेंट स्वीकार करने के एवज में बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स (जैसे Paytm, PhonePe, Google Pay) को चुकाता है। आसान भाषा में समझें तो यह चार्ज उपभोक्ताओं को नहीं, बल्कि उस व्यापारी (मर्चेंट) को देना होगा जो पेमेंट ले रहा है। यह नियम मुख्य रूप से बैंक, यूपीआई सर्विस प्रोवाइडर्स और बड़े व्यापारियों के इकोसिस्टम को प्रभावित करेगा।

सिर्फ 5% लेन-देन ही आएंगे इसके दायरे में

आंकड़ों पर नजर डालें तो यूपीआई के जरिए होने वाले 95 फीसदी ट्रांजेक्शन 2000 रुपये से कम के ही होते हैं। यानी यह नया एमडीआर (MDR) चार्ज सिर्फ उन 5 फीसदी ट्रांजेक्शन पर ही लागू होगा जो 2000 रुपये से अधिक के होंगे और मर्चेंट अकाउंट में जाएंगे।टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2000 रुपये से ज्यादा के व्यावसायिक लेन-देन पर यह प्रस्तावित शुल्क 0.25% से लेकर 0.4% के बीच हो सकता है। फिलहाल 25 से 30 बेसिस पॉइंट्स तक का चार्ज लगाने पर भी गंभीरता से चर्चा चल रही है।

हालांकि, सरकार ने अभी तक इस नियम को लागू करने की कोई तय समयसीमा (डेडलाइन) निर्धारित नहीं की है। गौरतलब है कि सरकार ने डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए जनवरी 2020 में यूपीआई और रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले लेन-देन पर एमडीआर चार्ज लगाने पर रोक लगा दी थी।

आरबीआई एमपीसी ने रेपो रेट को स्थिर रखा, नहीं बढ़ेगी ईएमआई

मुंबई (आरएनएस) । भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी (आरबीआई-एमपीसी) के फैसले का ऐलान बुधवार को गवर्नर संजय मल्होत्रा ने किया। केंद्रीय बैंक ने इस बार भी रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा है।

यह लगातार चौथा मौका है, जब आरबीआई एमपीसी ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है।

आरबीआई एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक 3 अगस्त को शुरू हुई थी। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बनी हुई है और इससे कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण महंगाई का खतरा बना हुआ है।

ऐसे में ब्याज दरों को स्थिर रखना और अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को बढ़ावा देगा। इससे पहले जून 2026, अप्रैल 2026 और फरवरी 2026 की एमपीसी बैठक में केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों को स्थिर रखा था।

रेपो रेट में आखिरी बार बदलाव दिसंबर, 2025 की आरबीआई एमपीसी की बैठक में किया गया था। इस दौरान रेपो रेट को 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया था।

आरबीआई के द्वारा अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो रेट को यथावत रखने के फैसले से सबसे बड़ी राहत उन लाखों लोगों को मिलेगी, जिन्होंने होम लोन, कार लोन या अन्य फ्लोटिंग ब्याज दर वाले लोन लिया हुआ है। रेपो रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं होने से उनकी मासिक ईएमआई फिलहाल नहीं बढ़ेगी, जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा। इसके साथ ही, नए कर्ज लेने वाले ग्राहकों के लिए भी ब्याज दरों में तत्काल बढ़ोतरी की संभावना टल गई है। उद्योगों और कारोबारों के लिए भी यह फैसला सकारात्मक माना जा रहा है, क्योंकि उनकी उधारी की लागत स्थिर रहेगी और निवेश योजनाओं को गति मिल सकती है। बैंकों के लिए भी ब्याज दरों में अचानक बदलाव का दबाव नहीं रहेगा।

स्टॉक मार्केट में एचआर हाइजीन ने किया निराश, गिरावट के साथ बंद हुए शेयर

नई दिल्ली, (ए.)। सैनिटरी पैड, बेबी डायपर और एडल्ट केयर प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 88 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.27 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 90 रुपये के स्तर पर हुई।लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के सपोर्ट से से ये शेयर उछल कर 91 रुपये के स्तर तक पहुंचे और बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 85.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गोता भी लगा दिया। हालांकि, बाद में खरीदारों ने लिवाली शुरू कर लोअर सर्किट ब्रेक कर दिया। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद ये शेयर 87.95 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 0.06 प्रतिशत का नुकसान हो गया।एचआर हाइजीन प्रोडक्ट्स लिमिटेड का 53.95 करोड़ रुपये का आईपीओ 29 से 31 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 6.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 11.83 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था।इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 61,31,200 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 11 करोड़ रुपये के 12,25,600 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं, जबकि लगभग 43 करोड़ रुपये के 49,05,600 नए शेयर जारी हुए हैं।

पीएलआई-ऑटो स्कीम के तहत आया 44,326 करोड़ रुपए का निवेश; 67,000 से ज्यादा रोजगार सृजित : सरकार

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्र में निवेश और रोजगार बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। भारी उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि 31 मार्च 2026 तक इस योजना के तहत 44,326 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित हुआ है, जबकि 67,820 लोगों को रोजगार मिला है।

मंत्रालय के अनुसार, इस योजना के चलते ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वित्त वर्ष 2020 को आधार वर्ष मानते हुए 52,414 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बिक्री (इंक्रीमेंटल सेल्स) दर्ज की गई है। इसके अलावा, पात्र कंपनियों को अब तक 2,386.36 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की जा चुकी है।

देश भर में लागू की गई पीएलआई-ऑटो स्कीम का उद्देश्य उन्नत ऑटोमोबाइल तकनीकों के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देना और वैश्विक ऑटो वैल्यू चेन में भारत की स्थिति को मजबूत बनाना है। सरकार का मानना है कि यह योजना भारत को ऑटोमोबाइल विनिर्माण के प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विश्वसनीय संकेत अभी नहीं

क्या नए बिल और निलेकणी समिति के गठन से समस्याएं दूर हो जाएंगी? संभवत: नहीं, क्योंकि वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसके कुछ कारण नीतिगत हैं, तो कुछ सिस्टम में अंदर तक पहुंचा कथित भ्रष्टाचार।नरेंद्र मोदी सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों का तकनीकी समाधान पेश करने की कोशिश की है। इसके अलावा कानूनी उपाय के जरिए अपने सख्त इरादे का संदेश देने का प्रयास उसने किया है। मगर अंदाज वही पुराना है: मीडिया में मोटी सुर्खियां बनाने वाली घोषणाएं करना, जिससे लोग मानने लगें कि सरकार सब कुछ दुरुस्त करने के लिए सचमुच दृढ़-संकल्प है! इस साल नीट पेपर लीक होने के बाद ऐसी ही धारणा बनाने के लिए निर्णय लिया गया था कि दोबारा होने वाली नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र वायु सेना के विमान से भेजे जाएंगे! उसी राह पर चलते हुए अब केंद्र ने पेपर लीक से संबंधित कानून को पहले से ज्यादा सख्त बनाने का बिल पेश किया है। मगर सख्त कानून, अत्यधिक कड़ी सज़ा के प्रावधान, और फास्ट ट्रैक कोर्ट जैसी बातें विभिन्न मामलों में इतनी बेअसर साबित हुई हैं कि उनसे युवा वर्ग को संतुष्ट करना अब कठिन हो सकता है। परीक्षा तंत्र को तकनीकी रूप से दुरुस्त करने के उपाय सुझाने के लिए नंदन निलेकणी की अध्यक्षता में बनी समिति उपजी शिकायतों को दूर कर पाएगी, इसकी संभावना भी कम ही है। इसलिए कि पेपर लीक या शिक्षा व्यवस्था में उभरी खामियों की वजह तकनीकी कमजोरियां नहीं हैं। इसकी कुछ वजहें नीतिगत हैं, जबकि ज्यादा दिक्कत सिस्टम में फैले कथित भ्रष्टाचार से उभरी है। यहां इसे अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि कितना भी दोषमुक्त डिजिटल सिस्टम कायम कर लिया जाए, वह संदिग्ध नियुक्तियों, संस्थाओं की कमजोरी, और शासन-तंत्र में नैतिकता के ह्रास से उत्पन्न होने वाली समस्याओं की भरपाई नहीं कर सकता। ना ही उससे शिक्षा को मुनाफे के कारोबार में तब्दील करने वाली नीतियों से बनी स्थिति का समाधान ढूंढा जा सकता है। पेपर लीक के हालिया मामलों में अंदर तक पहुंच रखने वाले लोगों, कोचिंग संस्थानों, और लीक पेपर खरीदने को तैयार लोगों के बाजार की मिलीभगत के गंभीर आरोप लगे हैं। नीलेकणी समिति इसका क्या समाधान पेश करेगी? अत: मामला व्यवस्थागत है, जिसका सीधा संबंध राजनीतिक इच्छाशक्ति से है। इस स्थिति को सरकार सचमुच बदलना चाहती है, इसके विश्वसनीय संकेत अभी नहीं मिले हैं।

यह सिर्फ धर्मेंद्र प्रधान का मामला नहीं

अजीत द्विवेदी

दुनिया के संभवत: किसी दूसरे देश में नैतिकता की उतनी बात नहीं होती होंगी, जितनी भारत में होती हैं। भारत ने दया, करुणा, सत्य, प्रेम, भाईचारे आदि के जितने प्रतीक गढ़े हैं, दुनिया के किसी और देश में उतने नहीं होंगे। भारत में तो एक सतयुग ही था, जिसमें सत्य हरिश्चंद्र थे। लेकिन यह भी सही है कि सत्य, अहिंसा, प्रेम, भाईचारे, करुणा, दया आदि से जितनी दूरी भारत में है उतनी शायद ही कहीं और होगी। इस पर लंबी बहस हो सकती है। इसलिए उसमें जाने की जरुरत नहीं है। लेकिन दुनिया के जिन देशों में सत्य और नैतिकता आदि का ढोल रोज नहीं बताया जाता है वहां लोग ज्यादा नैतिक होते हैं। वहां लोग नैतिक जिम्मेदारी लेते हैं और अगर कोई अपराध किया है तो उसे भी स्वीकार करके सजा पाते हैं। भारत में कोई नैतिक जिम्मेदारी नहीं लेता है और अपराध करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया व्यक्ति भी अदालत में खड़े होकर कहता है कि वह बेकसूर है और उसका पूरा परिवार और ज्यादातर मामलों में पूरी जाति उसके बचाव में खड़ी होती है।

भारत की राजनीति में भी नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देने का कोई सिद्धांत नहीं रहा है। नैतिक जिम्मेदारी लेकर कुछ मंत्रियों आदि ने जरूर इस्तीफे दिए, जिनकी आज तक चर्चा होती है। लाल बहादुर शास्त्री, माधवराव सिंधिया या नीतीश कुमार का जिक्र किया जाता है। यह संयोग है कि इन तीनों के इस्तीफे ट्रेन दुर्घटना को लेकर हुए थे। इनके रेल मंत्री रहते ट्रेन दुर्घटनाएं हुईं और उसकी नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने इस्तीफा दिया। यह अलग बात है कि रेल मंत्रालय में विफल होने के बाद भी इन सभी लोगों को दूसरे मंत्रालयों में अहम जिम्मेदारी मिली। लाल बहादुर शास्त्री तो बाद में प्रधानमंत्री बने। बहरहाल, भारत में गंभीर से गंभीर विफलता या आर्थिक अपराध में शामिल होने के आरोपों के बाद भी इस्तीफा कराना बड़ा मुश्किल होता है। आर्थिक अपराध के मामलों में तो अब गिरफ्तार होकर जेल जाने के बाद भी नेता इस्तीफा नहीं देते हैं।

दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते अरविंद केजरीवाल ने कमाल की मिसाल बनाई। वे कई महीने जेल में रहे और उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। हेमंत सोरेन ने थोड़ी शर्म दिखाई और गिरफ्तारी से चंद मिनट पहले इस्तीफा दे दिया। अगर गिरफ्तारी की बाध्यता नहीं होती तो वे भी इस्तीफा नहीं देते।

सवाल है कि ऐसा क्यों होता है कि भारत में केंद्र या राज्य का मंत्री या मुख्यमंत्री किसी भी विवाद में फंसने या अपनी कैसी भी विफलता के बाद इस्तीफा नहीं देते हैं? इसे दो पहलुओं से देख सकते हैं। एक आपराधिक मामला और दूसरा विफलता व नैतिकता का मामला। जहां तक आपराधिक मामलों में फंसने पर इस्तीफे का सवाल है तो वह इसलिए आसानी से नहीं होता है क्योंकि भारत में पहले से जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं ऐसे, सैकड़ों लोग सांसद और विधायक चुने गए हैं। सवाल है जब गंभीर आपराधिक मामले दर्ज होने और उनकी जानकारी सार्वजनिक होने के बावजूद जनता उनको चुन देती है तो चुने जाने के बाद किए गए किसी अपराध के लिए वे क्यों इस्तीफा देंगे? जब जनता ने उनको सांसद चुन दिया है तो वे केंद्र में मंत्री बनने के योग्य हैं और जनता ने विधायक चुना है तो वे राज्य में मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के योग्य हैं। ऐसे में उनके और जनता के बीच में नैतिकता की बात कहां से आ गई! उनकी आपराधिक पृष्ठभूमि जानने के बाद भी अगर जनता ने चुना है तो वे वैसे ही किसी अन्य अपराध के मामले में भी क्यों इस्तीफा देंगे? तभी भारत में ऐसे मामलों में भी जोर जबरदस्ती ही इस्तीफा होता है। गिरफ्तार होने या गिरफ्तारी की नौबत आने या पार्टी व सरकार के प्रमुख की ओर से राजनीतिक नुकसान की आशंका देख कर दबाव डालने के बाद ही इस्तीफा होता है।

अब रही जिम्मेदारी के निर्वहन में विफलता की बात तो उसमें भी आजादी के बाद से ही यह परंपरा चलती आ रही है कि इस्तीफा जोर जबरदस्ती ही होगा। ध्यान रहे भारत में पहला हाई प्रोफाइल इस्तीफा वीके कृष्ण मेनन का हुआ था। चीन के साथ युद्ध में भारत की हार के बाद तत्कालीन रक्षा मंत्री कृष्ण मेनन पर दबाव था कि वे इस्तीफा दें। लेकिन वे इस्तीफा देने को तैयार नहीं थे। जब जन दबाव बहुत बढ़ा तो अंत में उन्होंने इस्तीफा दिया। हालांकि जयराम रमेश ने उनके जीवन पर एक किताब लिखी है, 'अ चेकर्ड ब्रिलियंस: द मेनी लाइव्स ऑफ वीके कृष्ण मेनन', जिसमें उन्होंने दावा किया है कि कृष्ण मेनन तो बहुत पहले इस्तीफा देने को तैयार थे लेकिन उन्हें रोका गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू मानते थे कि चीन के साथ युद्ध में पराजय का मेनन से कोई संबंध नहीं है। फिर वे क्यों इस्तीफा देंगे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर चल रही बातें सुन कर क्या कृष्ण मेनन के इस्तीफे की कहानी से समानता नहीं दिखती है? ध्यान रहे पिछले कई दिनों से कहा जा रहा है कि धर्मेंद्र प्रधान तो बहुत पहले इस्तीफा देना चाहते थे। लेकिन प्रधानमंत्री को लगता था कि पेपर लीक होने से उनका कोई लेना देना नहीं है, बल्कि उन्होंने तो पेपर लीक होने के तुरंत बाद सक्रियता दिखाई। सारे आरोपी पकड़े गए और रिकॉर्ड समय में दोबारा परीक्षा करा ली गई ताकि छात्रों का एक साल बरबाद न हो।

अंत में अब 'कॉकरोच' का लेबल!

हरिशंकर व्यास

सन् 2026 की 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच भारत में वह हुआ, जिसकी दुनिया के किसी लोकतांत्रिक देश ने कल्पना नहीं की। दुनिया के अखबारों, टीवी चैनलों और डिजिटल मंचों पर भारत बतौर 'कॉकरोच' की पहचान के साथ उभरा। कभी 'सांप-संपेरों के हिंदुस्तान' की इमेज थी। पर 1947 में स्वतंत्रता के बाद के दशकों में लोकतंत्र, भारत-निर्माण, आईटी, उभरती आर्थिकी, परमाणु ताकत, आईआईटी-आईआईएम सहित शिक्षा की बेहतरी तथा विशाल जनसंख्या के बाजार के नाते भारत प्रतिष्ठित हुआ। वह सब अब हाशिए में है और अब भारत 'कॉकरोच' है। भारत में मनुष्य, नवजात पीढ़ी 'कॉकरोच' है, जिस पर लाठियां, पैलेट गन की गोलियां बरसी। यह वैश्विक अजूबा है और तभी दुनिया के हर कोने में अखबारों के पहले पेज पर, बैनर हेडलाइंस, ब्रेकिंग न्यूज की तरह छपा। सवाल है, कौन दोषी, किसने कॉकरोच भारत बनाया है? क्या संघ परिवार और उसके प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह नहीं? इसलिए 'कॉकरोच' फर्जी हिंदू राष्ट्र, फर्जी अमृतकाल का वह कलंक है, जिससे भले मोदी सरकार और भक्त हिंदू शर्मिंदा न हों, लेकिन विश्व मानव समाज अवश्य 145 करोड़ लोगों के भारत को जुगुप्सा, वितृष्णा से देख, समझ रहा है।

सोचें, इक्कीसवीं सदी में दुनिया में आगे भारत अब क्या इमेज लिए है? एक ऐसा देश, जो स्वयं को 'विश्वगुरु', 'लोकतंत्र की जननी', 'विकसित भारत' और 'विश्वबंधु' बताता है, वहां 'कॉकरोच' है, 'कॉकरोच राजनीति' है, 'कॉकरोच आर्थिकी' है, आदि-आदि। मोदी ने, अमित शाह ने पहले भारत के नागरिकों के आगे अनागरिक होने की तलवार लटकाई। पश्चिम बंगाल के लाखों दस्तावेज़युक्त वैध मतदाताओं को अनागरिक बनाकर उन्हें मताधिकार से बाहर किया। इसे चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट ने अपराध नहीं माना। फिर पूरे भारत के नागरिकों में ही मनुष्य को सर्वोच्च अदालत से 'कॉकरोच' परजीवी होने की तख्ती मिली!

बावजूद इसके हिंदू राष्ट्र के भक्त हिंदुओं को शर्म नहीं आई, न ग्लानि हुई। इन हिंदुओं के हिंदू होने के डीएनए की सचमुच जांच होनी चाहिए। ये कौन से, क्या हिंदू हैं, इसका जवाब सनातन धर्म का शायद ही कोई ग्रंथ दे पाए। मैं हिंदू हूं, राष्ट्रवादी हूं और मुझे इतना सामान्य ज्ञान है कि सनातन धर्म में मानव जन्म को परम प्राप्ति कहा गया है। जन्म-जन्मांतर के विश्वासी हम सनातनियों का मूल सूत्र है कि मनुष्य, ईश्वर की सबसे बड़ी कृति है। भगवान ने (श्रीमद्भागवत पुराण 11.9.29) अपनी मायाशक्ति से वृक्ष, सरीसृप (सांप आदि), पशु, पक्षी, मच्छर, मछलियां आदि अनेक योनियां बनाईं। परंतु उन्हें तब तक संतोष नहीं हुआ, जब तक उन्होंने मनुष्य शरीर की रचना नहीं की। और ईश्वर स्वयं मनुष्य शरीर में ब्रह्म (ईश्वर) को जानने और देखने की बुद्धि

देखकर अत्यंत प्रसन्न हुए। ऐसा ही आदि शंकराचार्य का दिया सूत्र (विवेकचूड़ामणि, श्लोक 2) है कि समस्त प्राणियों में मनुष्य जन्म सबसे दुर्लभ है। मनुष्य होने के बाद पुरुषत्व, फिर वैदिक धर्म का मार्ग जानना, फिर विद्वान होना, और उसके बाद आत्मा-अनात्मा का विवेक प्राप्त करके ब्रह्म में स्थित होना, यह सब सौ करोड़ जन्मों के पुण्यों के बिना संभव नहीं है।

तभी, जब मैंने चीफ जस्टिस का 'कॉकरोच' वाला वाक्य और बाद में उनकी सफाई सुनी, तो बतौर ब्राह्मण मुझे ग्लानि हुई कि हम आज के ब्राह्मण कैसे हैं! कितने अविवेकी, बुद्धिहीन हो गए हैं! देश की सर्वोच्च अदालत का चीफ जस्टिस मनुष्य पर 'कॉकरोच' का लेबल चस्पां कर रहा है! जाहिर है, चीफ जस्टिस का विवेक भी नरेंद्र मोदी नाम के कथित कल्कि अवतार के समय में ब्राह्मणों के विवेक, पुरुषत्व, ज्ञान और बुद्धि, सभी के पतन की बानगी है। सोचें, गंभीरता से सोचें कि चीफ जस्टिस के साथी जजों से लेकर सर्वज्ञ, अजैविक भगवान नरेंद्र मोदी, उनकी सरकार के मंत्रियों, संघ और हिंदू साधु-संतों में किसी के भीतर भी इस शब्द को बदलवाने, शब्द-वापसी, पछतावा, शर्म या खेद प्रकट कराने की बुद्धि या हिम्मत नहीं आई। जबकि आदि शंकराचार्य ने मनुष्य के पुरुषत्व (सत्यनिष्ठ निर्भयता), विद्वत्ता तथा आत्मा-अनात्मा के विवेक के माध्यम से ब्रह्म में स्थित होने तक की क्षमता में हर मनुष्य से मानवीय व्यवहार और संवेदना की अपेक्षा की है।जार्ज ऑरवेल का एक महान उपन्यास है, 'एनिमल फार्म'। इसमें मनुष्य की प्रवृत्तियों की वास्तविकताओं पर पशुओं के जंगल राज की कहानी है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे सुअर सत्ता हथिया लेते हैं और समानता के नाम पर नया अत्याचार खड़ा कर देते हैं। लेकिन ऑरवेल भी यह नहीं सोच सकते थे कि किसी लोकतंत्र में, मानव समाज में मनुष्यों की तुलना कीड़े-मकोड़ों, कॉकरोचों से होगी और शासन फिर इन कॉकरोचों को आंसू गैस के गोलों से खत्म करने के आदेश देगा।

इसलिए मसला गहरा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक नागरिक को (भले वह परजीवी हो) 'कॉकरोच' करार देना नए भारत के वर्तमान और भविष्य की दशा-दिशा है। पिछले बारह वर्षों से सरकार ने नौजवानों (बहुसंख्य आबादी को ही) अवसरों से वंचित किया है। किसानों को उनकी फसल का वाजिब दाम नहीं मिल रहा। लोगों को सही शिक्षा, सही चिकित्सा और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय उन्हे पैसा बांटकर, झांसा देकर परजीवी और आश्रित बनाया है। बेमतलब की डिग्रियां बांटी जा रही हैं। परीक्षाओं के नाम पर लूट है, झांसा है। स्वाभाविक है कि सामान्य छात्र हो या वकीलों तथा स्नातक-स्नातकोत्तर डिग्रियां लिए नौजवान, बेगारी का जीवन जीते हुए है। यूथ (जैसे सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील थे) भटकते-भटकते अन्याय और अवसरों की गुहार लगाता है, तो उसे क्या तमगा मिलता है? 'कॉकरोच' (परजीवी)! और फिर दुनिया के आगे 'कॉकरोच भारत'!

याद करें पिछले बारह वर्षों के अनुभवों पर। मोदी सरकार ने लोगों को (उनकी देखा-देखी बाकी सरकारों और पूरी राजनीति ने भी) लाभार्थी, खैराती और परजीवी बनाने का मिशन चला रखा है, और फिर उनकी नागरिकता पर भी सवाल खड़ा किया। अंत में अब 'कॉकरोच' (क्योंकि परजीवी) का लेबल! बारह वर्षों में न नागरिकों को पुरुषार्थी और स्वाभिमानी बनाया, न ही उन्हें समान अवसर दिए, मगर उन्हें कॉकरोच बना दिया!पता है, दुनिया में 'कॉकरोच' शब्द नरसंहार का संदर्भ लिए हुए है। अफ्रीका के देश रवांडा में तुत्सी समुदाय को 'कॉकरोच' कहा गया था। फिर उन पर कहर बरपा और वह शब्द नरसंहार की राजनीति का भी प्रतीक बना। संयुक्त राष्ट्र तथा मानवाधिकार अध्ययनों में ऐसी भाषा को अमानवीकरण (अर्थात मनुष्य को मनुष्य न मानने वाली भाषा) के रूप में चिन्हित किया गया है। ऐसे ही हिटलर ने यहूदियों को मारने के लिए उन्हें 'चूहा' कहा था। और गुजरे सप्ताह हिंदू लड़के-लड़कियों पर जब पैलेट गन से छर्रे मारे गए, तभी भक्त चेहरों के ये वाक्य भी छपे थे कि देश से 'कॉकरोचों को खत्म करने का स्थायी इंतजाम' हो। या 'कॉकरोचों' के पीछे 'विदेशी ताकतें', 'खालिस्तानी संगठन', 'बांग्लादेश की इस्लामिक पार्टी की ताकतें', 'पाकिस्तान समर्थित ताकतें' और 'सोरोस फाउंडेशन' हैं'!क्या यह रवांडा के पागलों जैसी भाषा नहीं है? गंवार हिंदू राष्ट्रवादियों को इतनी भी समझ नहीं है कि राष्ट्रों की प्रतिष्ठा अर्थव्यवस्था, सेना या चुनावों से नहीं बनती; बल्कि प्राथमिक कसौटी यह है कि वहां की सरकार अपने सामान्य नागरिक के साथ कैसा व्यवहार करती है? दक्षिण अफ्रीका वर्षों तक रंगभेद से कलंकित रहा। ऐसे ही सैन्य दमन से म्यांमार की पहचान मानवता का कलंक थी और है।

नशा, संवेदना और बचपन।

नौजवानों को निगलता नशे का अदृश्य संकट।

संजीव ठाकुर

स्वामी विवेकानंद ने कहा था हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो चरित्र का निर्माण करे, मन का बल बढ़ाए और मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा कर दे, नशा शिक्षा, चरित्र और आत्मबल तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी उसकी संवेदना और बचपन की मासूमियत है। संवेदना मनुष्य को मनुष्य बनाती है और बचपन उसके व्यक्तित्व की नींव रखता है। किंतु आज नशीले पदार्थों का बढ़ता जाल इन दोनों पर सबसे कड़ा प्रहार कर रहा है। नशा केवल शरीर को नहीं, बल्कि विवेक, करुणा, परिवार, शिक्षा, संस्कृति और भविष्य को भी नष्ट कर देता है। जिस आयु में बच्चों के हाथों में पुस्तकें और सपने होने चाहिए, वहाँ यदि नशे का जहर पहुँच जाए तो आने वाला पूरा जीवन अंधकारमय हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में ड्रग्स, सिंथेटिक नशे, हेरोइन, चरस, गांजा, अफीम तथा नशीली गोलियों का प्रसार चिंताजनक रूप से बढ़ा है। राष्टीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा विभिन्न सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार देश में करोड़ों लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन करते हैं। 2019 के राष्टीय सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 16 करोड़ लोग शराब, 3 करोड़ से अधिक लोग भांग या गांजा तथा लगभग 2.3 करोड़ लोग ओपिओइड (अफीम, हेरोइन आदि) का सेवन करते पाए गए। इनमें बड़ी संख्या 10 से 17 वर्ष और 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की है। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में पंजाब, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा गोवा प्रमुख हैं। पंजाब में हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स का गंभीर संकट लंबे समय से चिंता का विषय है। पूर्वोत्तर के राज्यों में सीमा पार से होने वाली तस्करी ने युवाओं को प्रभावित किया है। राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी मादक पदार्थों की तस्करी लगातार बढ़ी है। महानगरों में नशीली गोलियां, कोकीन और पार्टी ड्रग्स तेजी से फैल रहे हैं। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि नशे की शुरुआत अब किशोरावस्था में ही होने लगी है। विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों, पारिवारिक विघटन, बेरोजगारी, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, गलत संगति तथा मानसिक तनाव के कारण अनेक बच्चे नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं।

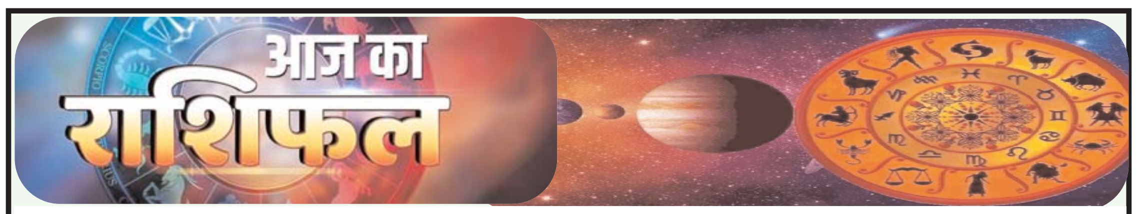

मेष राशि: आज का दिन बढ़िया रहेगा। जमीन-जायदाद से जुड़ा रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है और पिछले कुछ समय से चल रही व्यस्तता के आज अच्छे परिणाम भी मिलेंगे। परिवार में सहयोग और उत्साह का माहौल बना रहेगा।

वृष राशि: आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। आप जिस काम के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, आज उसके सकारात्मक परिणाम मिलने वाले हैं। प्रॉपर्टी से जुड़े लेनदेन में फायदेमंद डील हो सकती है, इसलिए इन कामों पर ध्यान केंद्रित रखें। विद्यार्थियों को किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलने की पूरी संभावना है। आज आत्मविश्वास बनाए रखें। आज आपको तरक्की के नये रास्ते मिलेंगे।

मिथुन राशि: आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा। आज खर्च में इजाफा बचत को ज्यादा मुश्किल बना देगा।

कर्क राशि: आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेगा, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी। किसी नये काम की शुरूआत करना आपके लिये लाभदायक रहेगा। धनलाभ के नये आसार बनेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिये आज का दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला हैं। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगें तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नती का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं।

कन्या राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है। स्वास्थ्य आज थोड़ा डाउन हो सकता है, लेकिन समय से देखभाल करने से जल्द ही ठीक हो जायेगा। अगर आप यात्रा कर रहें है तो सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें।

तुला राशि: आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आप में प्रेरणा अधिक रहेगी नौकरीपेशा वालों आज आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के विवाहित आज समारोह में जायेंगें। जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे मिलकर आपका मन प्रसन्न हो जायेगा। किसी नये व्यापार में माता-पिता की राय कारगर साबित होने वाली है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगें। पुरानी टेंशन आज खत्म होगी। इस राशि जो लोग पयर्टन के क्षेत्र से जुड़े हैं उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।

धनु राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर होगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी हो सकती है।

मकर राशि: आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिये फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा कोई बड़ा मामला सुलझ जायेगा।

कुम्भ राशि: आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा। अचानक धनलाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। सुबह-सुबह व्यायाम करने से सेहत अच्छी बनी रहेगी। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है, जिससे आपका मन प्रसन्न हो जायेगा।

मीन राशि:आज का दिन आपके लिये अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। कोई रूका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जायेगा।

महँगाई की नई किस्त आ गई, नाम रखा गया – बस किराया

लोकतंत्र में जनता मालिक है... बस भुगतान करने तक क्या सरकार का हर समझौता आम आदमी की जेब से ही होगा?

प्रो. आरके जैन अरिजीत

मध्य प्रदेश की सड़कों पर आज केवल बस किराया नहीं बढ़ा, बल्कि आम आदमी की जेब पर नया आर्थिक बोझ डाल दिया गया है। परिवहन विभाग के ताज़ा नोटिफिकेशन ने बस किराया सवा रुपये प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर दो रुपये प्रति किलोमीटर कर दिया है। यह महज़ किराया वृद्धि नहीं, बल्कि ऐसा मौन कर है जिसे न किसी बजट में प्रस्तुत किया गया, न विधानसभा में उस पर गंभीर बहस हुई। बस ओनर्स एसोसिएशन की हड़ताल की चेतावनी के आगे सरकार झुक गई और उसका पूरा भार सीधे यात्रियों पर डाल दिया। डीज़ल महँगा हुआ है, संचालन लागत बढ़ी है—ये तर्क वर्षों से दिए जाते रहे हैं। पर सबसे चिंताजनक यह है कि राज्य की सड़कों पर चलने का अधिकार अब केवल उसी के लिए सहज है, जो बढ़ती महँगाई का बोझ उठा सके।इस पूरे घटनाक्रम में सरकार और बस संचालक दो विरोधी पक्ष नहीं, बल्कि एक ही व्यवस्था के दो चेहरे हैं। संचालक कहते हैं कि पाँच वर्षों से किराया नहीं बढ़ा, डीज़ल सौ रुपये लीटर के पार पहुँच गया और खर्च बढ़ रहा है। सरकार नोटिफिकेशन जारी कर जिम्मेदारी पूरी मान लेती है। दोनों मिलकर ऐसा समीकरण गढ़ते हैं, जिसमें हर बढ़ी लागत का भुगतान केवल यात्री करता है। इस समीकरण में न संचालकों की कार्यकुशलता पर सवाल उठते हैं, न सरकारी नीतियों की कमियाँ। नतीजा यह है कि सौ किलोमीटर की यात्रा पर यात्री को लगभग पचहत्तर रुपये अतिरिक्त चुकाने होंगे। लंबी दूरी तय करने वाले परिवारों के लिए यह अतिरिक्त राशि महीने भर की सब्ज़ियों के खर्च के बराबर बैठती है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इस

निर्णय में आम आदमी न सहभागी है, न हितधारक; वह केवल अंतिम भुगतानकर्ता है। यही कहानी रसोई तक पहुँचते-पहुँचते और कड़वी हो जाती है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। शक्कर लगभग पच्चीस प्रतिशत महँगी हो चुकी है। तुअर और चना दाल के दाम बढ़े हैं। मैदा और खाद्य तेल भी चुपचाप महँगे हो गए हैं। त्योहारों से पहले रसोई का बजट बिगड़ना महज़ संयोग नहीं। परिवहन महँगा होने का सीधा असर माल ढुलाई पर पड़ता है और अंतत: अनाज, दाल, सब्ज़ी तथा रोजमर्रा की हर वस्तु महँगी हो जाती है। एक ओर सरकार राशन कार्ड और सब्सिडी की बात करती है, दूसरी ओर वही नागरिक सड़क पर सफर करते समय और रसोई में भोजन बनाते समय महँगाई का अतिरिक्त कर चुकाने को मजबूर होता है। यह दोहरी मार गरीब और निम्न मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति को लगातार सिकोड़ रही है। इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पक्ष निर्णय लेने की प्रक्रिया है। किराया बोर्ड की बैठक हुई, मंत्री स्तर पर चर्चा हुई, मुख्यमंत्री की सहमति का हवाला दिया गया और नोटिफिकेशन जारी हो गया। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में जनता कहाँ थी? विपक्ष की भूमिका क्या थी? नागरिक समाज की आवाज़ क्यों नहीं सुनाई दी? लोकतंत्र की विडंबना यही है कि जब प्रत्यक्ष कर बढ़ते हैं तो सदन में तीखी बहस होती है, लेकिन जब बस किराया बढ़ता है तो सब कुछ एक सरकारी गजट की खामोशी में सिमट जाता है। हड़ताल की आशंका ने सरकार को झुका दिया, पर उसी निर्णय ने करोड़ों यात्रियों को पूरी तरह असहाय बना दिया। सत्ता और पूँजी का यह सहज गठजोड़ अब इतना सामान्य हो गया है कि उस पर प्रश्न उठाने वाले भी कम दिखाई देते हैं।आम आदमी के लिए यह निर्णय केवल कुछ रुपये बढ़ने का मामला नहीं है। यह उसकी रोज़मर्रा की जिंदगी, उसके अवसरों और उसकी गतिशीलता पर सीधा प्रहार है। खेत या फैक्ट्री जाने वाला मजदूर, परीक्षा देने निकलने वाला छात्र, इलाज के लिए अस्पताल जाने वाला मरीज—हर व्यक्ति की यात्रा अब पहले से अधिक महँगी हो गई है। जब यात्रा महँगी होती है तो शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार तक पहुँच भी महँगी हो जाती है। सरकार विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन उसी विकास की सड़क पर चलने की कीमत आम नागरिक से वसूलती है। यह विकास का विस्तार नहीं, बल्कि विकास के अवसरों का संकुचन है।यदि यह निर्णय वास्तव में व्यावहारिक होता तो सरकार केवल किराया बढ़ाने का रास्ता नहीं चुनती। वह बस संचालकों को संचालन में दक्षता बढ़ाने, अनावश्यक खर्च कम करने और मार्गों के बेहतर प्रबंधन के लिए बाध्य करती।

यदि यह निर्णय न्यायसंगत होता तो बढ़े हुए आर्थिक बोझ का कुछ हिस्सा राज्य स्वयं वहन करता या कम से कम किराया चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जाता। लेकिन सरकार ने सबसे आसान विकल्प चुना—हड़ताल टालने के लिए यात्री को ही बलि का बकरा बना दिया। यह प्रशासनिक विवेक नहीं, बल्कि शासन की कमजोरी का परिचायक है। वास्तविक साहस तब दिखाई देता, जब सरकार संचालकों के सामने कठोर शर्तें रखती और जनता को राहत देने का रास्ता निकालती।

अयोध्या के राम दरबार में खत्म हुआ वीआईपी पास सिस्टम कतार से ही होंगे दर्शन

अयोध्या ,(आरएनएस)। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए राम मंदिर में राम दरबार दर्शन की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब राम दरबार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को अलग से विशेष पास बनवाने की आवश्यकता नहीं होगी। नई व्यवस्था के तहत श्रद्धालु पहले सामान्य दर्शन कतार से रामलला के दर्शन करेंगे। इसके बाद वे सीधे मंदिर की प्रथम मंजिल पर स्थित राम दरबार के दर्शन भी कर सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त अनुमति या विशेष पास की जरूरत नहीं होगी।अब तक राम दरबार के दर्शन सीमित संख्या में जारी किए जाने वाले विशेष पास के माध्यम से कराए जाते थे। इस व्यवस्था के कारण सभी श्रद्धालुओं को दर्शन का अवसर नहीं मिल पाता था।राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने विशेष पास व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। ट्रस्ट का कहना है कि नई व्यवस्था का उद्देश्य दर्शन प्रक्रिया को अधिक सरल, सुगम और सुविधाजनक बनाना है, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु बिना किसी अतिरिक्त औपचारिकता के रामलला और राम दरबार के दर्शन का लाभ उठा सकें।

डीआरआई की बड़ी कार्रवाई- कांडला बंदरगाह पर 3 करोड़ रुपये के प्रतिबंधित पाकिस्तानी सूखे खजूर जब्त, यूएई के नाम पर किया जा रहा था आयात

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत द्वारा पाकिस्तान से आयात पर लगाए गए प्रतिबंध को दरकिनार करने के प्रयासों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने कांडला बंदरगाह पर लगभग 3 करोड़ रुपये मूल्य के प्रतिबंधित पाकिस्तानी सूखे खजूर की खेप जब्त की है। जांच में खुलासा हुआ कि पाकिस्तान से आए इस माल को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का बताकर भारत भेजा जा रहा था।

डीआरआई के अनुसार, खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान में कांडला बंदरगाह पर पहुंचे 13 कंटेनरों को रोका गया। इनमें लगभग 364 मीट्रिक टन सूखे खजूर भरे हुए थे, जिनका बाजार मूल्य करीब 3 करोड़ रुपये आंका गया है। प्रारंभिक दस्तावेजों में इन खजूरों का मूल स्रोत संयुक्त अरब अमीरात दर्शाया गया था, लेकिन जांच में पता चला कि इनका वास्तविक मूल देश पाकिस्तान था।

जांच में सामने आया कि खजूर पहले पाकिस्तान से दुबई भेजे गए, जहां उन्हें दूसरे कंटेनरों में स्थानांतरित कर नए दस्तावेजों के साथ भारत निर्यात किया गया। डीआरआई का आरोप है कि आयातकों ने पाकिस्तान से आयात पर लागू प्रतिबंध से बचने के लिए माल के वास्तविक मूल देश को छिपाया और झूठे दस्तावेज प्रस्तुत किए। इस आधार पर पूरी खेप को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत जब्त कर लिया गया है।

डीआरआई ने बताया कि यह कार्रवाई हाल ही में उजागर हुए एक अन्य मामले के बाद की गई है। पिछले सप्ताह अधिकारियों ने तूतीकोरिन बंदरगाह पर लगभग 1.4 करोड़ रुपये मूल्य की करीब 14 मीट्रिक टन पाकिस्तानी गुग्गुल राल की खेप भी पकड़ी थी। उस खेप को दस्तावेजों में सोमालिया से प्राप्त प्राकृतिक राल बताया गया था, जबकि जांच में वह पाकिस्तान से आई पाई गई। इस मामले में जाली दस्तावेजों के इस्तेमाल का खुलासा होने के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया है।

मानसून पूर्वानुमान को और सटीक बनाने की दिशा में बड़ा कदम, मिशन मौसम से मजबूत होगा मौसम विज्ञान ढांचा : डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश में बदलते मानसून पैटर्न, अत्यधिक वर्षा और अन्य चरम मौसमीय घटनाओं की सटीक भविष्यवाणी के लिए केंद्र सरकार मौसम विज्ञान और जलवायु अनुसंधान को नई तकनीकों से सशक्त बना रही है। पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि मिशन मौसम के माध्यम से मौसम पूर्वानुमान प्रणाली, जलवायु मॉडलिंग, उपग्रह आधारित निगरानी और वैज्ञानिक अनुसंधान को व्यापक रूप से मजबूत किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि हाल के वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि भारतीय उपमहाद्वीप में गहरे संवहनी बादलों के निर्माण और कम समय में अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि हुई है। वहीं, मध्य भारत में भारी वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ी है, जबकि सामान्य एवं मध्यम वर्षा की घटनाओं में कमी दर्ज की गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश में कम ऊंचाई वाले बादलों के दीर्घकालिक बदलावों का भी अध्ययन किया है। इसके अलावा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वैज्ञानिकों ने वैश्विक जलवायु परिवर्तन का भारतीय मानसून, हिमालयी क्षेत्र और हिंद महासागर पर पड़ने वाले प्रभावों का विस्तृत विश्लेषण किया है। डॉ. सिंह ने कहा कि मिशन मौसम का उद्देश्य एक ऐसा समेकित तंत्र विकसित करना है, जो जलवायु मॉडलिंग, उपग्रह अवलोकन, वायुमंडलीय अनुसंधान और संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान को नई ऊंचाई प्रदान करे। इसके तहत उन्नत मल्टी-मॉडल एनसेंबल और युग्मित जलवायु मॉडल विकसित किए जा रहे हैं, ताकि मासिक और मौसमी पूर्वानुमानों की सटीकता बढ़ाई जा सके।

मानव-वन्यजीव संघर्ष कम करने के लिए तकनीक, समुदाय और समन्वित रणनीति पर जोर, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में संसदीय समिति की बैठक

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए केंद्र सरकार वैज्ञानिक प्रबंधन, आधुनिक प्रौद्योगिकी, सामुदायिक भागीदारी और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय पर आधारित राष्ट्रीय रणनीति को आगे बढ़ा रही है। इसी दिशा में बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की संसदीय परामर्श समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, समिति के सांसद, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न राज्यों के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) और मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य विषय मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम, प्रभावी प्रबंधन और दीर्घकालिक मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के लिए आवश्यक उपायों पर विचार-विमर्श करना था। बैठक में समिति को प्रधानमंत्री द्वारा सातवीं राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की बैठक में घोषित मानव-वन्यजीव संघर्ष उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-एचडब्ल्यूसी) की स्थापना की जानकारी दी गई। यह केंद्र वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, नीति निर्माण, क्षमता विकास और समुदाय आधारित समाधान विकसित करने के लिए राष्ट्रीय स्तर का प्रमुख संस्थान होगा।

झारखंड जेपीएससी प्रदर्शनकारियों से बातचीत करेगी सरकार, प्रतिनिधिमंडल बुलाया; वांगचुक की अपील पर छात्र ने पानी पीया

-मुख्यमंत्री बोले- सरकार छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से ले रही

रांची,(आरएनएस)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बुधवार को 12वें दिन भी जारी रहा। लंबे समय से जारी धरने के बीच राज्य सरकार ने गतिरोध समाप्त करने की दिशा में पहल करते हुए प्रदर्शनकारी छात्रों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री आवास पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया है। छात्रों ने कहा कि वे सरकार के प्रस्ताव पर आपसी विचार-विमर्श के बाद अंतिम निर्णय लेंगे।सरकार की ओर से वार्ता का निमंत्रण देने के लिए उपखंडीय दंडाधिकारी कुमार रजत तथा अपर जिला दंडाधिकारी धनंजय कुमार जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे, जहां छात्र धरना दे रहे हैं। अधिकारियों ने छात्रों से पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल गठित कर मुख्यमंत्री से बातचीत करने का आग्रह किया।एक छात्र ने बताया कि सरकार के प्रतिनिधि उनसे मिलने आए थे और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री छात्रों की समस्याओं पर चर्चा करना चाहते हैं। इसके लिए पांच सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल बनाने का अनुरोध किया गया है, जो छात्रों की ओर से सरकार के समक्ष अपनी बात रखेगा।इस बीच छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो

2 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने भूख हड़ताल के साथ पानी पीना भी छोड़ दिया था। बुधवार को प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने उनसे वीडियो संवाद के माध्यम से बात की और पानी का त्याग करने को आत्महत्या के समान बताते हुए इसे समाप्त करने की अपील की। वांगचुक की सलाह स्वीकार करते हुए महतो ने अपने उपवास के तीसरे दिन पानी पी लिया, हालांकि उनकी भूख हड़ताल जारी है।धरने को अब राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों का भी समर्थन मिलने लगा है। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सहित भारतीय जनता पार्टी के कई विधायकों ने धरनास्थल पहुंचकर छात्रों से मुलाकात की।इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भर्ती परीक्षाओं में व्यापक अनियमितताएं हुई हैं और जेपीएससी ने नौकरियां बेचने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठक में भी उन्होंने स्पष्ट रूप से परीक्षा रद्द करने की मांग उठाई है तथा उनकी पार्टी झारखंड के युवाओं के साथ खड़ी है।प्रदर्शनकारी छात्र जेपीएससी, जेएसएससी संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा तथा अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से जांच, दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा भर्ती प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं।छात्रों की प्रमुख मांगों में 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा को रद्द करना, जेपीएससी और जेएसएससी में संरचनात्मक सुधार लागू करना तथा भर्ती प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो अथवा झारखंड से बाहर के सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के स्वतंत्र पैनल से कराने की मांग शामिल है।

स्पैम कॉल और मैसेज पर सरकार का बड़ा एक्शन, पहली तिमाही में 1.83 लाख टेलीकॉम संसाधनों पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली (ए)। अनचाहे व्यावसायिक कॉल और संदेशों (यूसीसी) पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सख्त कार्रवाई की है। संचार मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 1.83 लाख टेलीकॉम संसाधनों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वाले 263 प्रेषकों को ब्लैकलिस्ट किया गया।मंत्रालय के अनुसार, बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कई स्तरों पर कार्रवाई की गई। इसमें आउटगोइंग सेवाओं पर रोक लगाना, लंबे समय के लिए कनेक्शन बंद करना, सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के स्तर पर प्रेषकों को ब्लैकलिस्ट करना तथा एसएमएस हेडर ब्लॉक करना शामिल है। इसका उद्देश्य स्पैम कॉल और प्रमोशनल संदेशों को नियंत्रित करना है।सरकार ने बताया कि पहली तिमाही के दौरान देश के टेलीकॉम नेटवर्क से कुल 730.82 अरब कॉल की गईं। इसके मुकाबले यूसीसी से जुड़ी 10.85 लाख शिकायतें दर्ज हुईं। यानी औसतन हर 10 लाख कॉल पर करीब 1.5 शिकायतें प्राप्त हुईं।स्पैम कॉल और संदेशों की पहचान के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का भी उपयोग किया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, एआई-आधारित सिस्टम ने 24.43 अरब संदिग्ध स्पैम कॉल और एसएमएस की पहचान की। इससे उपभोक्ताओं को यह निर्णय लेने में मदद मिली कि वे ऐसे कॉल या संदेशों को नजरअंदाज करें या सावधानी के साथ स्वीकार करें। सरकार ने यह भी बताया कि संदिग्ध प्रेषकों को नियमों के पालन के लिए बड़े पैमाने पर चेतावनी नोटिस भेजे गए। चेतावनी प्रणाली शुरू होने के मात्र एक सप्ताह के भीतर 2.43 लाख से अधिक चेतावनी संदेश जारी किए गए।

इविश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के सदस्यों ने नोएडा स्टेडियम के गेट नंबर 6 के पास निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध संसद परिसर में राम मंदिर चंदे में कथित घोटाले से जुड़े उनके एक नाटक (स्किट) को लेकर किया गया।

रक्षाबंधन पर डाक विभाग की विशेष तैयारी दिल्ली के 34 डाकघरों और दोनों प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर राखी बुकिंग के विशेष काउंटर

नई दिल्ली, (आरएनएस)। आगामी रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए डाक विभाग के दिल्ली परिमंडल ने राखियों की समयबद्ध और सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। विभाग ने 22 अगस्त 2026 तक दिल्ली के 34 प्रमुख डाकघरों के साथ-साथ दिल्ली रेलवे स्टेशन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर विशेष राखी डाक बुकिंग काउंटर स्थापित करने का निर्णय लिया है, ताकि ग्राहकों को राखी भेजने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

डाक विभाग ने बताया कि इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व 28 अगस्त 2026 को मनाया जाएगा। त्योहार के दौरान डाकघरों में बढ़ने वाली भीड़ को ध्यान में रखते हुए लोगों से अपील की गई है कि वे अंतिम समय का इंतजार न करें और अपनी राखियां समय रहते निकटतम नामित डाकघर में जमा कराएं। इससे राखियों का निर्बाध प्रेषण और समय पर वितरण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

विशेष राखी बुकिंग सुविधा के लिए अशोक विहार, कृष्णा नगर, लोधी रोड, कालकाजी, इन्द्रप्रस्थ, संसद मार्ग, नारायणा औद्योगिक क्षेत्र, रमेश नगर, सरोजिनी नगर, सिविल लाइंस, चाणक्यपुरी, दिल्ली जीपीओ, नई दिल्ली जीपीओ, करोलबाग, जनकपुरी, रोहिणी, पश्चिम विहार, मालवीय नगर, लाजपत नगर, आर.के. पुरम सहित दिल्ली के 34 प्रमुख डाकघरों को नामित किया गया है। इसके अतिरिक्त दिल्ली रेलवे स्टेशन और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन स्थित ट्रांजिट मेल कार्यालयों में भी विशेष बुकिंग काउंटर संचालित किए जाएंगे। डाक विभाग ने ग्राहकों से अपनी 24 स्पीड पोस्ट और 48 स्पीड पोस्ट सेवाओं का अधिकाधिक उपयोग करने का आग्रह किया है। इन सेवाओं के माध्यम से निर्धारित समय-सीमा के भीतर डाक पहुंचाने की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है तथा तय समय में वितरण नहीं होने की स्थिति में शुल्क वापसी का भी प्रावधान है।

पीएम मोदी की 37 नए सांसदों से नाश्ते पर मुलाकात, बोले- मिलकर करें काम, सदन की कार्यवाही में बढ़-चढ़कर लें हिस्सा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने आवास पर भारतीय जनता पार्टी के नए 37 सांसदों के लिए नाश्ते पर एक बैठक आयोजित की। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों को सदन में मौजूदगी बढ़ाने और सदन के कामकाज में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की सलाह दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मुलाकात करने वाले सांसदों में नितिन नवीन, सुष्मिता देव, राजेंद्र गुप्ता, राहुल सिंह, स्वाति मालीवाल, राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, विक्रमजीत सिंह साहनी और अन्य शामिल थे। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी सांसदों से कहा कि वे सदन में ज्यादा वक्त गुजारें। सभी से सीखें चाहे वह पक्ष के सदस्य हों या विपक्ष के सदस्य हों। पीएम मोदी ने सलाह दी कि सभी सांसद मिल-जुलकर कम करें।इससे पहले, मंगलवार को भाजपा नीत एनडीए की संसदीय दल की बैठक हुई। संसद लाइब्रेरी बिल्डिंग के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हिस्सा लिया। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे।भाजपा सांसद हेमंग जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, एनडीए संसदीय दल की मंगल मिलन बैठक कई नई बातों की जानकारी देने वाली रही।

50 हजार की स्कूटी पर 10 लाख का जुर्माना, 96 चालान पेंडिंग देख पुलिस के भी उड़े होश

गुरुग्राम, (आरएनएस)। हरियाणा के साइबर सिटी गुरुग्राम से ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाने का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां ट्रैफिक पुलिस ने नियमित चेकिंग के दौरान एक ऐसे स्कूटी सवार को पकड़ा है, जिसका रिकॉर्ड देखकर खुद पुलिसकर्मियों का भी सिर चकरा गया। करीब 50 हजार रुपये की कीमत वाली इस पुरानी स्कूटी पर एक-दो नहीं, बल्कि पूरे 10 लाख रुपये के 96 चालान लंबित मिले। पुलिस ने इस बड़ी लापरवाही पर सख्त एक्शन लेते हुए स्कूटी को तुरंत जब्त कर लिया है।जानकारी के मुताबिक, गुरुग्राम के राजीव चौक पर जोनल अधिकारी एएसआई विजय सिंह अपनी टीम के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर एक युवक पर पड़ी, जो बिना हेलमेट लगाए राजीव चौक से मेदांता अस्पताल की तरफ रॉन्ग साइड से स्कूटी चलाकर जा रहा था। पुलिस ने प्रशांत नाम के इस युवक को रोककर जब उससे स्कूटी के कागजात मांगे, तो वह कोई भी दस्तावेज नहीं दिखा सका। इसके बाद पुलिस ने जब स्कूटी के नंबर से उसकी डिटेल सिस्टम में चेक की, तो हैरान करने वाला सच सामने आ गया।

दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में ट्राई की पहल, सेवा गुणवत्ता मानकों में संशोधन के मसौदे पर मांगी राय

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार और ब्रॉडबैंड सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक्सेस (वायरलाइन एवं वायरलेस) तथा ब्रॉडबैंड (वायरलाइन एवं वायरलेस) सेवा गुणवत्ता मानक (प्रथम संशोधन) विनियम, 2026 के मसौदे पर परामर्श पत्र जारी किया है। ट्राई ने इस संबंध में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, उद्योग जगत, उपभोक्ता संगठनों तथा अन्य सभी हितधारकों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं।

ट्राई ने बताया कि अगस्त 2024 में सेवा गुणवत्ता (क्यूओएस) व्यवस्था की व्यापक समीक्षा के बाद एक्सेस (वायरलाइन एवं वायरलेस) तथा ब्रॉडबैंड (वायरलाइन एवं वायरलेस) सेवा गुणवत्ता मानक विनियम, 2024 अधिसूचित किए गए थे। यह विनियम 1 अक्टूबर, 2024 से लागू हुए, जिनके माध्यम से प्रौद्योगिकी-तटस्थ प्रदर्शन मानक, अधिक प्रभावी निगरानी व्यवस्था, सुदृढ़ रिपोर्टिंग प्रणाली और उपभोक्ताओं के लिए अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित की गई।

ट्राई के अनुसार, इन विनियमों के लागू होने के बाद प्राप्त अनुभव, विभिन्न हितधारकों से मिले सुझाव, तकनीकी विकास और उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल कनेक्टिविटी के प्रति उपभोक्ताओं की बढ़ती अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कुछ प्रावधानों में संशोधन की आवश्यकता महसूस की गई है। प्रस्तावित संशोधनों का उद्देश्य कार्यान्वयन के दौरान सामने आई व्यावहारिक चुनौतियों का समाधान करना तथा सेवा गुणवत्ता संबंधी नियामकीय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना है।प्राधिकरण ने संशोधन मसौदे को अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर सार्वजनिक किया है और सभी संबंधित पक्षों से इस पर लिखित टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। इच्छुक पक्ष 26 अगस्त, 2026 तक अपनी टिप्पणियां तथा 7 सितंबर, 2026 तक प्रति-टिप्पणियां ई-मेल adv-qosv@trai.gov.in पर भेज सकते हैं।

चांदीपुरा वायरस पर केंद्र की बड़ी पहलः गुजरात और राजस्थान में राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल तैनात, बहु-संस्थागत वैज्ञानिक जांच तेज

नई दिल्ली, (आरएनएस)। चांदीपुरा वायरस (सीएचपीवी) संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने गुजरात और राजस्थान में राष्ट्रीय संयुक्त प्रकोप प्रतिक्रिया दल (एनजेओआरटी) तैनात किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि यह कदम वायरस के संक्रमण, उसके प्रसार, नैदानिक प्रभाव और रोकथाम संबंधी वैज्ञानिक जानकारी को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इसके साथ ही देश के प्रमुख अनुसंधान संस्थानों द्वारा बहु-संस्थागत स्तर पर व्यापक वैज्ञानिक जांच भी तेज कर दी गई है। मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) तथा पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) के विशेषज्ञों की संयुक्त टीम राज्य सरकारों के साथ मिलकर प्रकोप की जांच, महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन, रोगियों के उपचार प्रबंधन, प्रयोगशाला समन्वय, वाहक (वेक्टर) निगरानी और जनस्वास्थ्य उपायों के क्रियान्वयन में सहयोग करेगी।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद, अमरनाथ यात्रा रोकी, आर्टिकल 370 हटने की बरसी पर कश्मीर में सुरक्षा चाक-चौबंद

श्रीनगर ,(आरएनएस)। अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं बरसी के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एहतियात के तौर पर बुधवार को जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से अमरनाथ यात्रा एक दिन के लिए रोक दी गई। हालांकि प्रशासन ने यात्रा स्थगित करने की कोई आधिकारिक वजह नहीं बताई है, लेकिन सरकारी सूत्रों के अनुसार मौजूदा सुरक्षा हालात को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

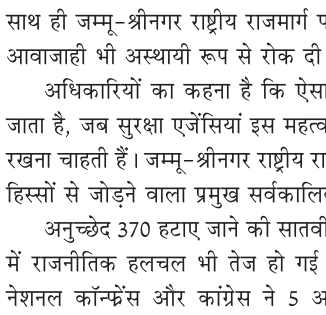

अधिकारियों के मुताबिक, बुधवार सुबह जम्मू आधार शिविर से किसी भी नए श्रद्धालु जत्थे को पहलगाम (अनंतनाग) और बालटाल (गांदरबल) आधार शिविरों के लिए रवाना होने की अनुमति नहीं दी गई। इसके साथ ही जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बलों के काफिलों की आवाजाही भी अस्थायी रूप से रोक दी गई।

अधिकारियों का कहना है कि ऐसा कदम आमतौर पर तब उठाया जाता है, जब सुरक्षा एजेंसियां इस महत्वपूर्ण मार्ग पर आवाजाही सीमित रखना चाहती हैं। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला प्रमुख सर्वकालिक मार्ग है।

अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं वर्षगांठ से पहले जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक हलचल भी तेज हो गई है। पीडीपी, जम्मू एंड कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने 5 अगस्त को अलग-अलग विरोध कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है।

दक्षिणी फिलीपींस में आया 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, घरों से बाहर निकले लोग

मनीला,(आरएनएस)। फिलीपींस के दक्षिणी तट पर बुधवार दोपहर बेहद शक्तिशाली भूकंप के झटका महसूस किया किए गए। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.3 मापी गई है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र सारंगानी द्वीप से लगभग 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में था। हालांकि, भूकंप के कारण अभी सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई। इसी तरह तत्काल किसी के हताहत होने या बड़े पैमाने पर नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:14 बजे यह भूकंप सारंगानी के पास आया। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) ने भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर गहराई में बताया है।

भूकंप के झटकों से लोग बुरी तरह घबरा गए और बचाव के लिए घरों से बाहर निकलकर इधर-उधर भागने लगे।

हालांकि, राहत की बात यह है कि इस तीव्र झटके के बावजूद तत्काल किसी के हताहत होने या किसी बड़े संरचनात्मक नुकसान की खबर नहीं मिली है।जिस समय भूकंप आया, उस वक्त सारंगानी द्वीप पर एक सरकारी सब्सिडी प्राप्त करने के लिए भारी संख्या में लोग एकत्रित थे। अचानक धरती डोलने से वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई।बचाव दल के सदस्य हार्ली सौरो ने कहा, झटका काफी तेज था। मैंने लोगों को घबराते हुए देखा, वे चिल्लाते हुए इधर-उधर भाग रहे थे।हालांकि, स्थानीय अधिकारियों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लेने में जुटी हैं।फिलीपींस भौगोलिक रूप से प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में स्थित है। यह दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय और ज्वालामुखी विस्फोट वाले क्षेत्रों में से एक माना जाता है।इस क्षेत्र में कई टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में मिलती हैं। यही कारण है कि इस पूरे क्षेत्र में बार-बार भूकंप के झटके और ज्वालामुखी सक्रियता देखने को मिलती रहती है।इस भूकंप के झटके के बाद भी अभी सुनामी के चेतावनी जारी नहीं की गई है।

अमेरिका का होर्मूज जलडमरूमध्य के खुले होने का दावा, ईरान से समझौते की संभावना भी जताई

वाशिंगटन/तेहरान,(आरएनएस)। अमेरिका की सेना ने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य वाणिज्यिक जहाजों के लिए खुला है। यह बयान वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट द्वारा जलडमरूमध्य में नौवहन को सामान्य बनाने के लिए ईरान के साथ संभावित समझौते के संकेत के बाद आया है। अमेरिकी केंद्रीय कमान ने कहा कि ईरानी आक्रामकता के बावजूद उसने 1,000 से अधिक जहाजों को जलमार्ग से गुजरने में मदद की है। दक्षिणी मार्ग ईरान के निकट स्थित हिस्से के बजाय ओमान के क्षेत्रीय जल से गुजरता है।हाल के दिनों में तेल की कीमतों में गिरावट आई है। बुधवार को ब्रेंट क्रूड 0.4 प्रतिशत बढ़कर 79.7 डॉलर प्रति बैरल हो गया।यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब बेसेंट ने कहा है कि जल्द ही एक समझौता हो सकता है।उन्होंने कहा, हम ईरानियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। आज या कल तक जलडमरूमध्य को खोलने और इस संघर्ष में स्थिति को और सामान्य बनाने के लिए एक समझौता होने की संभावना है।खबरों के मुताबिक, अमेरिका और यूरोपीय देश ओमान पर ईरान के साथ अस्थायी समझौते पर सहमत होने के लिए दबाव डाल रहे हैं।पाकिस्तान सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से संबंधित दस्तावेज को अंतिम रूप देने का काम लगभग पूरा हो चुका है।

राष्ट्रपति ट्रंप पर फिर हमले की साजिश! फंडरेजर कार्यक्रम से पहले संदिग्ध गिरफ्तार, पुलिस ने बरामद किए हथियार

वॉशिंगटन (उत्तम हिन्दू न्यूज) ञ अमेरिकी राष्ट्रपति ष्ठश्ठ्ठद्गस्र ञ्जह्वद्वश्च की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर बड़ा खतरा सामने आया है। कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में ट्रंप के फंडरेजिंग कार्यक्रम से पहले एक संदिग्ध व्यक्ति को गोल्फ कोर्स के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसकी कार से लोडेड पिस्तौल, गोला-बारूद और 16 राउंड की मैगजीन बरामद की है। आशंका है कि वह कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था की रेकी कर रहा था।लॉस एंजिल्स काउंटी शेरिफ विभाग के अनुसार, संदिग्ध गोल्फ कोर्स के आसपास फोटो और वीडियो बना रहा था। तलाशी के दौरान उसकी जेब से गोलियां और मैगजीन मिलीं, जबकि कार से एक लोडेड पिस्तौल बरामद हुई। इसके बाद उसके घर की तलाशी में बड़ी संख्या में हथियार, मैगजीन, गोलियां, बॉडी आर्मर और आपत्तिजनक नोटबुक भी बरामद की गई।यह गिरफ्तारी उस समय सार्वजनिक की गई, जब ट्रंप लॉस एंजिल्स के रैंचो पालोस वर्डेस स्थित ट्रंप नेशनल गोल्फ कोर्स में रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के फंडरेजिंग डिनर में शामिल होने वाले थे।गिरफ्तार आरोपी की पहचान जीनिन जॉन टैले के रूप में हुई है।

शेरिफ विभाग के अनुसार, वह घटना से दो दिन पहले से गोल्फ कोर्स के आसपास सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहा था और तस्वीरें व वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था।टैले पर द्वितीय श्रेणी की डकैती, बड़ी क्षमता वाली मैगजीन रखने, छोटी बैरल वाली राइफल या शॉटगन रखने तथा वाहन में छिपाकर हथियार ले जाने सहित कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं।पिछले कुछ वर्षों में ट्रंप की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं। हाल ही में व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान एक हथियारबंद व्यक्ति सुरक्षा घेरा पार कर कार्यक्रम स्थल तक पहुंच गया था। उस समय ट्रंप और उपराष्ट्रपति भी समारोह में मौजूद थे। सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी शीर्ष नेताओं को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।इससे पहले पेनसिल्वेनिया के बटलर में चुनावी रैली के दौरान ट्रंप पर जानलेवा हमला हुआ था। हमलावर की चलाई गई एक गोली उनके दाहिने कान को छूते हुए निकल गई थी। घटना में एक समर्थक की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य घायल हुए थे। मौके पर मौजूद अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स को मार गिराया था।

उत्तर कोरिया की सीमा के पास अमेरिकी ड्रोन पहुंचा, सुरक्षा एजेंसियों ने संभाला मोर्चा

सियोल, (आरएनएस)। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान अंतर-कोरियाई सीमा क्षेत्र के पास एक अमेरिकी सैन्य ड्रोन उड़ान भरता देखा गया, जिसके बाद एहतियात के तौर पर सीमा क्षेत्र के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई।दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप

ने दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के हवाले से बताया है कि ड्रोन को उत्तर कोरिया की सीमा के निकट उत्तरी ग्योंगगी प्रांत में देखा गया था। शुरुआती जांच के बाद इसकी पहचान दक्षिण कोरिया में तैनात अमेरिकी मरीन कॉर्प्स के एक मानव रहित सैन्य विमान (ड्रोन) के रूप में की गई, जो संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल था।यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) ने भी पुष्टि की कि ड्रोन उनका था। बयान में कहा गया कि यह उड़ान अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई मरीन कॉर्प्स के बीच चल रहे द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास का हिस्सा थी। घटना के कारणों की जांच की जा रही है और स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय जारी है।इससे पहले सीमा से सटे चेओरवॉन क्षेत्र में ड्रोन की मौजूदगी का पता चलने पर स्थानीय प्रशासन ने अलर्ट जारी किया और नागरिकों को एहतियात के तौर पर आश्रय लेने की सलाह दी।दक्षिण कोरियाई सेना ने बताया कि शुरुआत में यह स्पष्ट नहीं था कि ड्रोन उत्तर कोरिया का है या अमेरिका का। बाद में सत्यापन के बाद पुष्टि हुई कि यह अमेरिकी सैन्य ड्रोन था।अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि ड्रोन ने 2018 के अंतर-कोरियाई सैन्य समझौते के तहत निर्धारित पूर्व नो-फ्लाई ज़ोन के ऊपर उड़ान भरी थी या नहीं।

दोस्त निर्मल पुरजा का शव वापस लाएंगे मिंगमा जी, जोखिम भरे बचाव अभियान का ऐलान

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। नेपाल के मशहूर पर्वतारोही निर्मल पुरजा (निम्सदाई) का शव पाकिस्तान की ब्रॉड पीक पर फंसा हुआ है, जिसे वापस लाने के लिए उनके दोस्त मिंगमा जी ने एक बेहद जोखिम भरा जमीनी मिशन शुरू करने का संकल्प लिया है। ब्रॉड पीक पर पिछले हफ्ते आए भीषण हिमस्खलन में निर्मल पुरजा समेत 10 पर्वतारोहियों की मौत हो गई थी, जिनमें से कुछ के शव करीब 5,000 मीटर की ऊंचाई पर फंसे हुए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।मिंगमा ने कहा कि वह पुरजा, चीनी पर्वतारोही वांग झोंग और नीमा शेरपा के शवों को निकालने का प्रयास करेंगे, जो पर्वत के कॉनकॉर्डिया की ओर 5,000 मीटर की ऊंचाई पर हैं।उन्होंने कहा, मैं पहाड़ों में मौजूद जोखिमों और चुनौतियों को जानता हूं, लेकिन अपने साथी दिग्गज पर्वतारोहियों के सम्मान में मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।बता दें कि मिंगमा ऑक्सीजन के बिना 14 चोटियों पर चढ़ने वाले पहले नेपाली हैं।

मिंगमा ने इंस्टाग्राम पर पुरजा, वांग और किली पेम्बा को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, मेरे प्यारे भाई किलु, वांग और निम्स। हम आपको वापस घर ले जाएंगे ताकि आप अपने परिवार से मिल सकें।ये तीनों ब्रॉड पीक पर मारे गए 10 पर्वतारोहियों में शामिल हैं। खोज दल ने 4 शवों को बरामद कर लिया है, लेकिन दुर्गम भूभाग और बिगड़ते मौसम के कारण पुरजा, वांग और नीमा के शवों को 5,000 मीटर ऊंचाई से नहीं लाया जा सका।मिंगमा ने कहा, वहां एक और हिमस्खलन हुआ है। खराब मौसम और लगातार हो रही बारिश के कारण हेलीकॉप्टर संचालन ठप है और बेस कैंप तक शवों को लाने का जमीनी अभियान फिलहाल टालना पड़ा है।

दुबई के जेबेल अली औद्योगिक क्षेत्र और बंदरगाह पर भीषण विस्फोट, 20 मिनट में 7 धमाके

अबू धाबी,(आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी हमलों के बीच बुधवार तड़के संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई में भीषण विस्फोटों की खबर आई है।सूत्रों ने अमीराती अधिकारियों के हवाले से बताया कि 20 मिनट के भीतर कम से कम 7 भीषण विस्फोट हुए हैं। विस्फोट के बाद दुबई के जेबेल अली औद्योगिक क्षेत्र और बंदरगाह पर घना धुआं दिखा है। घटना का वीडियो बनाने के आरोप में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।का दावा है कि यह मिसाइल हमला यमन से यूएई पर हुआ है, जिसे ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने अंजाम दिया है। हालांकि, अमीराती मीडिया ने कोई आधिकारिक बयान प्रकाशित नहीं किया।नासा की थर्मल इमेजिंग से पता चला कि बंदरगाह के पास स्थित एक गोदाम में आग लगी थी, जिसका उपयोग ईंधन भंडारण और स्थानांतरण के लिए किया जाता था। बताया जा रहा है कि यमन की राजधानी सना में विस्फोटों के बाद हमले हुए हैं।

फीचर

राम कपूर ने किसी को असहज महसूस नहीं कराया, किसिंग विवाद पर बोलीं आकांक्षा चौधरी

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहे रिएलिटी शो लॉक अप 2 से निकलने के बाद भी आकांक्षा चौधरी चर्चा में बनी हुई हैं। इस बीच उन्होंने शो में महिला कंटेस्टेंट्स के माथे और गालों पर किस करने की

राम कपूर की आदत को लेकर मचे विवाद के बीच उनका समर्थन किया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि उन्होंने कभी भी राम कपूर को किसी को असहज महसूस कराते हुए नहीं देखा। आकांक्षा ने कहा कि वह समझती हैं कि इंडस्ट्री में ऐसी घटनाएं होती हैं, लेकिन राम कपूर की नीयत कभी भी गलत नहीं थी। उन्होंने कहा, जाहिर है, मैं मानती हूं कि इंडस्ट्री और बाहर भी ऐसा बहुत होता है। मैं उस बारे में कुछ नहीं कह रही। लेकिन क्योंकि मैं शो में थी और राम सर से रोज बात करती थी। सीक्रेट रूम में भी मैंने श्रेया की राम सर के बारे में कही हर बात सुनी थी। असल में ऐसा कुछ नहीं था। राम सर ने किसी को भी असहज महसूस नहीं कराया।घर के अंदर हुई एक बातचीत को याद करते हुए उन्होंने बताया कि श्रेया कालरा ने एक बार शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम कपूर उन्हें उनके अपने पिता से भी ज्यादा किस करते हैं।उन्होंने कहा, जब मैं सीक्रेट रूम में थी, तो मुझे लगता है कि श्रेया ने शिल्पा शिंदे के सामने कहा था कि राम सर मुझे मेरे पिता से भी ज्यादा किस करते हैं। लेकिन तब शिल्पा जी ने कहा, नहीं, नहीं, वह ऐसा नहीं करते हैं।आकांक्षा ने आगे कहा कि श्रेया ने खुद साफ किया था कि उनका मतलब गलत तरीके से नहीं था। उन्होंने कहा, श्रेया ने कहा था, जाहिर है, मैं उस तरह से नहीं कह रही हूं। मेरा मतलब वैसा नहीं है। मैं बस यह कह रही हूं कि वह बार-बार ऐसा करते हैं। तो वह इस बारे में बहुत सहज थीं।वहीं, राम कपूर की पत्नी गौतमी कपूर जब शो में आई थीं, तो उन्होंने सभी से राम कपूर के व्यवहार के लिए माफी मांगी थी। उन्होंने कहा, अगर इनसे कोई गलती हो गई हो या इन्होंने आपको असहज किया हो तो मैं इनकी तरफ से माफी मांगती हूं। हालांकि, गौतमी ने बचाव करते हुए यह भी कहा कि उनके पति का स्वभाव ऐसा ही है, वे टेडी बेयर की तरह हैं और उनका इरादा गलत नहीं था।

अभिनय को लेकर बहुत लालची हूं, जैस्मिन भसीन ने अपने जुनून पर की बात

अभिनेत्री जैस्मिन भसीन इन दिनों एक साथ कई चुनौतियों का सामना कर रही हैं। वह जहां एक तरफ स्टंट-आधारित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 में खतरनाक टास्क करती नजर आ रही हैं, वहीं दूसरी तरफ अपनी आगामी पंजाबी

फिल्म जुदा की रिलीज को लेकर भी उत्साहित हैं। अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने के अपने अनुभव को लेकर जैस्मिन का कहना है कि अभिनय उनके लिए सिर्फ एक पेशा नहीं बल्कि उनका सबसे बड़ा जुनून है।इसलिए वह हर नए मौके को स्वीकार करना चाहती हैं और खुद को अलग-अलग भूमिकाओं में आजमाना चाहती हैं। जैस्मिन भसीन ने अपने करियर और अभिनय के प्रति अपने लगाव को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि अभिनय को लेकर मैं बहुत लालची हूं क्योंकि यह मेरा सबसे बड़ा प्यार और मेरा जुनून है।मेरे सामने चाहे कुछ भी आए, मैं हमेशा उसे एक्सप्लोर करना चाहती हूं और अपना पूरा योगदान देना चाहती हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि काम किस भाषा या प्लेटफॉर्म पर है, मेरे लिए सबसे जरूरी है कि मुझे कुछ नया करने और सीखने का मौका मिले। उन्होंने कहा, मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी महसूस करती हूं कि मुझे अलग-अलग भाषाओं और प्लेटफॉर्म पर काम करने का मौका मिल रहा है।अलग-अलग तरह के दर्शकों से जुड़ना मेरे लिए बहुत खास अनुभव है। अभिनेत्री ने कहा, एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना आसान नहीं होता। यह सफर व्यस्त जरूर है लेकिन मुझे इससे कोई शिकायत नहीं है। मैं चाहती हूं कि मेरे हर दिन में कोई नई चुनौती हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं और कुछ नया सीखना चाहती हूं।

एक्सरसाइज शुरू करने की सोच रहे हैं? हुला हूप को आजमाएं

अगर आप एक्सरसाइज करने की शुरुआत करने जा रहे हैं तो यह आपके लिए एक अच्छा फैसला हो सकता है। हालांकि, इस दौरान आपको यह समझ नहीं आता कि कौन सी एक्सरसाइज को चुना जाए तो हुला हूपिंग को आजमाएं। यह एक मजेदार और असरदार तरीका है, जिससे आप न केवल फिट रह सकते हैं, बल्कि इससे आपका मूड भी अच्छा रहेगा। आइए जानते हैं कि हुला हूपिंग क्यों एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

वजन कम करने में है मददगार

हुला हूपिंग एक ऐसी गतिविधि है, जो वजन कम करने म काफी मदद कर सकती है। इसे रोजाना करने से आपके शरीर की कैलोरी बर्न करने की क्षमता बढ़ सकती है।इसके अलावा यह आपके शरीर की ऊर्जा को त ज करता है, जिससे वजन घटाने में आसानी होती है।हुला हूपिंग करने से पेट की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर क चर्बी कम होती है। इससे आप फिट और आकर्षक दिख सकते हैं।

दिल की सेहत के लिए है फायदेमंद

हुला हूपिंग एक बेहतरीन दिल की सेहत को सुधारने वाली गतिविधि भी है। यह आपके दिल की धड़कन को तेज करती है और रक्त प्रवाह को बेहतर बनाती है।इससे आपका दिल स्वस्थ रहता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं।नियमित रूप से हुला हूपिंग करने से आपके दिल की धड़कनें बेहतर होती हैं और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं, जिससे आपकी सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

मानसिक तनाव को कम करने में है सहायक

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव आम बात हो गया है। हुला हूपिंग करने से आपका मन शांत होता है और तनाव कम होता है।जब आप हुला हूपिंग करते हैं तो आपका ध्यान केवल उस पर केंद्रित होता है, जिससे आपकी चिंता और परेशानी दूर होती है।यह एक प्रकार का ध्यान अभ्यास भी हो सकता है, जो आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

लचीलेपन को बढ़ाने में है कारगर

हुला हूपिंग करने से शरीर की लचीलापन बढ़ती है।इसके नियमित अभ्यास से आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और शरीर की गति क्षमता सुधरती है। इससे न केवल आपकी शारीरिक ताकत बढ़ती है बल्कि आप चोटों से भी बच सकते हैं।इसके अलावा हुला हूपिंग करने से आपकी त्वचा पर भी निखार आता है। यह एक मजेदार तरीका है जिससे आप फिट रह सकते हैं और अपने शरीर को स्वस्थ बना सकते हैं।

परिवार के साथ मिलकर करने का है अच्छा तरीका

हुला हूपिंग केवल एक एक्सरसाइज नहीं बल्कि एक पारिवारिक गतिविधि भी हो सकती है। इसे परिवार के साथ मिलकर करने से आपसी संबंध मजबूत होते हैं और सभी लोग मिलकर आनंद लेते हैं।बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी इस गतिविधि का आनंद ले सकते हैं और एक-दूसरे के साथ समय बिता सकते हैं।इस प्रकार हुला हूपिंग कई प्रकार से आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकती है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और फिट रहें!

माइग्रेन से जूझ रहे हैं तो न करें ये 5 गलतियां, समस्या हो सकती है गंभीर

माइग्रेन एक ऐसी समस्या है, जिससे कई लोग परेशान रहते हैं। यह सिरदर्द का एक प्रकार है, जिसमें सिर के एक हिस्से में तेज दर्द होता है। माइग्रेन के दौरान उल्टी, चक्कर आना और रोशनी से चिढ़ना जैसी कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। आमतौर पर माइग्रेन में सिर के दाएं या बाएं हिस्से में तेज दर्द होता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो माइग्रेन के रोगियों को नहीं करनी चाहिए।

नींद का ख्याल न रखना

नींद का ख्याल न रखना माइग्रेन के रोगियों के लिए एक बड़ी गलती हो सकती है। पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है क्योंकि इससे आपका शरीर और मन दोनों आराम करते हैं।अगर आप समय पर सोते और जागते हैं तो आपका सिरदर्द कम हो सकता है।इसके अलावा दिन में थोड़ी देर की झपकी भी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। इस तरह आप ताजगी महसूस करेंगे और आपका माइग्रेन भी काबू में रहेगा।

खाने-पीने में बदलाव न करना

माइग्रेन के रोगियों को अपनी खाने-पीने की आदतों पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर आप तैलीय, मसालेदार और जंक फूड का सेवन करते रहेंगे तो आपकी समस्या बढ़ सकती है।इसके बजाय हरी सब्जियां, फल और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। इससे आपका शरीर स्वस्थ रहेगा और सिरदर्द भी कम होगा।

इसके अलावा पानी अधिक पिएं ताकि आपका शरीर तरलता में रहे और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलें।

पानी की कमी होना

शरीर में पानी की कमी भी माइग्रेन का कारण बन सकती है। अगर आप पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते तो इससे आपके सिरदर्द की समस्या बढ़ सकती है।

रोजाना कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए ताकि आपका शरीर तरलता में रहे और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलें।इसके अलावा नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी पी सकते हैं, जो आपके शरीर को पोषण देंगे और सिरदर्द को कम करेंगे।

चिंता और तनाव लेना

चिंता और तनाव लेना भी माइग्रेन के रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है।अगर आप हमेशा तनाव में रहते हैं तो इसका असर आपके सिरदर्द पर पड़ेगा। तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान या गहरी सांस लेने जैसी तकनीकों का अभ्यास करें। इससे आपका मन शांत रहेगा और सिरदर्द भी कम होगा।इसके अलावा सकारात्मक सोच अपनाएं और खुश रहने की कोशिश करें ताकि आपका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हो सके और आप स्वस्थ रह सकें।

डॉक्टर की सलाह नजरअंदाज करना

अगर आपको बार-बार सिरदर्द होता रहता है तो डॉक्टर की सलाह लेना बहुत जरूरी है।खुद से दवा लेना या घरेलू नुस्खे अपनाना सही नहीं होता। डॉक्टर आपकी समस्या का सही कारण बताएंगे और उचित इलाज देंगे।

इसलिए समय-समय पर जांच करवाते रहें और उनकी सलाह मानें।

इन गलतियों से बचकर आप अपने माइग्रेन को बेहतर तरीके से संभाल सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

अबूझमाड़ के दुर्गम अंचलों तक पहुँची 'सुशासन एक्सप्रेस'

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ शासन के सुशासन की संकल्पना अब राज्य के सबसे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में आकार ले रही है। नारायणपुर जिला प्रशासन द्वारा संचालित 'सुशासन एक्सप्रेस' के माध्यम से अबूझमाड़ के पहुंचविहीन अंचलों में शासकीय सुविधाओं की सीधी पहुँच सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में जुलाई माह के दौरान अबूझमाड़ क्षेत्र की 36 ग्राम पंचायतों में अभियान चलाकर लगभग 1,300 हितग्राहियों को उनके आधार कार्ड वितरित किए गए।

सुशासन एक्सप्रेस की मोबाइल टीमें अत्यंत दुर्गम गांवों तक पहुँचकर नागरिकों का आधार पंजीयन एवं कार्ड वितरण का कार्य तत्परता से कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर ही ये सुविधाएं मिलने से ग्रामीणों को अब छोटी-छोटी प्रशासनिक प्रक्रियाओं के लिए शहर या दूर-दराज के केंद्रों के चक्कर लगाने से मुक्ति मिली है।

आधार बन जाने से अबूझमाड़ के निवासियों के लिए शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ना आसान हो जाएगा। अब हितग्राही बिना किसी बाधा के सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन), सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आयुष्मान भारत योजना, छात्रवृत्ति तथा बैंकिंग सुविधाओं का सीधा लाभ उठा सकेंगे।

आत्मसमर्पित 95 नक्सलियों को 1.40 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि

रायपुर(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की संवेदनशील पहल और वन एवं जलवायु मंत्री तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निर्देशों के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार की नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत एवं पुनर्वास नीति 2025 के तहत बीजापुर जिले के 95 आत्मसमर्पित नक्सलियों को 1 करोड़ 40 लाख 86 हजार 700 रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत की गई है। बीजापुर कलेक्टर विश्वदीप ने नीति के प्रावधानों के अनुसार शस्त्रों के साथ आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के लिए राशि के आहरण और वितरण की स्वीकृति दी है। यह प्रोत्साहन राशि आत्मसमर्पित नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें नया जीवन शुरू करने और सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दी जा रही है। राज्य सरकार की पुनर्वास नीति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति, विकास और सामाजिक पुनर्वास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रभावी पहल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का उद्देश्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। पुनर्वास नीति के माध्यम से आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज में सम्मानजनक पुनर्स्थापना का अवसर मिल रहा है, जिससे बस्तर अंचल में शांति और विकास को नई गति मिल रही है।

मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया बना दिव्यांगजनों के लिए सहारा

जशपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया लोगों की उम्मीदों का केन्द्र बन गया है। जहां आम नागरिक अपनी मांगों और समस्याएं लेकर जाते है और लोगों की समस्याओं का गंभीरता से निराकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में श्रीमती रामपति बाई की पुत्री दिव्यांग श्रवण बाधित का हुआ त्वरित समाधान जशपुर जिले के श्रीमती रामपति बाई ग्राम गिरहलडीह पोस्ट लोधमा तहसील कुनकुरी के निवासी अपने दिव्यांग श्रवण बाधित बेटी के (कान से कम सुनना) के कारण मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया में उपस्थित होकर श्रवण यंत्र की मांग की गई थी। आवेदन में बताया गया कि मेरी बेटी दिपीका कुमारी जो कि ठीक से सुन नही पा रही थी जिसके कारण पढ़ाई में बाधा आ रही है।

छत्तीसगढ़ में फिर सक्रिय हुआ मानसून, उत्तरी जिलों में भारी बारिश के आसार

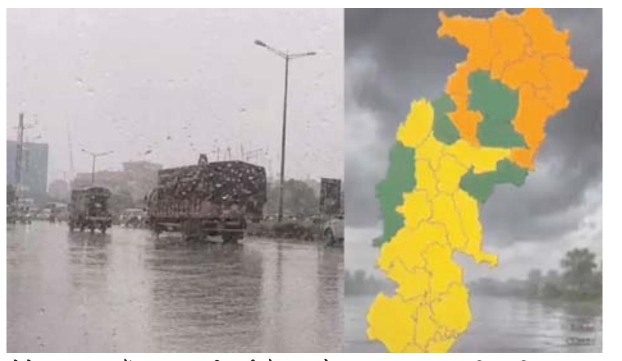

रायपुर,(ए.)। छत्तीसगढ़ में सावन माह के दौरान मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मजबूत मौसम तंत्र के प्रभाव से अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में वर्षा की गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई स्थानों पर गरज-चमक के साथ भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। वहीं, प्रदेश में अब तक सामान्य से सात प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के अधिकांश क्षेत्रों में बारिश हुई, जबकि उत्तरी जिलों में सबसे अधिक वर्षा दर्ज की गई। आगामी चार दिनों तक रायपुर सहित अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। राजधानी रायपुर में आज बुधवार को दिनभर बादल छाए रहने तथा गरज-चमक के साथ बारिश होने के आसार हैं। हालांकि, उमस से राहत मिलने की संभावना कम है। शहर का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।मौसम विभाग ने बताया कि समुद्र तल पर मानसून द्रोणिका अनूपगढ़, दिल्ली, शाहजहांपुर, बस्ती, छपरा होते हुए नागालैंड तक बनी हुई है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम बिहार तथा आंध्र प्रदेश से लगे बंगाल की खाड़ी के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है, जिसके प्रभाव से प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां बढ़ी हैं। पिछले 24 घंटों में शंकरगढ़ में 11 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा कुसमी, रतनपुर, सक्ती और भोपालपट्टनम में 7-7 सेंटीमीटर, सुकमा और सकोला में 6-6 सेंटीमीटर तथा सरागांव और बीजापुर में 5-5 सेंटीमीटर बारिश हुई। वहीं, पेंड्रा, भैरमगढ़, करपावंड, छाल, बरमकेला, सरिया और बम्हनीडीह में 4-4 सेंटीमीटर वर्षा दर्ज की गई। अन्य कई स्थानों पर भी हल्की से मध्यम बारिश हुई।

हाथीदांत तस्करी पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

रायपुर, (आरएनएस)। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशन में संगठित वन अपराध और वन्यजीव तस्करी पर रोक लगाने के लिए वन विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी अभियान के तहत बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में हाथीदांत तस्करी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।वन मंडलाधिकारी आलोक वाजपेयी के मार्गदर्शन में 3 अगस्त 2026 को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (मध्य क्षेत्र, भोपाल), राज्य उड़न दस्ता रायपुर और वनमंडल बलरामपुर की संयुक्त टीम ने रामानुजगंज स्थित एक धर्मशाला में छापेमारी की।संयुक्त टीम ने आमंत्रण धर्मशाला के कमरा नंबर 205 की तलाशी ली। जांच के दौरान एक बैग से हाथी के जबड़े के तीन हाथीदांत बरामद किए गए।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और कलाकारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से संस्कृति एवं राजभाषा संचालनालय द्वारा मुख्यमंत्री लोक कलाकार प्रोत्साहन योजना-2026 के अंतर्गत प्रदेश के लोक कलाकारों से प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं।

ऑपरेशन रक्षा सूत्र अभियान : सैनिक भाइयों के लिए 14,142 राखियाँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रेषित

धमतरी, (आरएनएस)। रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित ऑपरेशन रक्षा सूत्र अभियान के अंतर्गत जिले के वीर सैनिकों के लिए स्नेह, सम्मान और राष्ट्रभक्ति का संदेश लेकर 14,142 राखियाँ जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रेषित की गईं। यह अभियान जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, पर्यवेक्षकों (Supervisors) तथा विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों, जिनमें सभी सीडीपीओ और जिला कार्यक्रम अधिकारी (डीपीओ) भी शामिल हैं, के सामूहिक सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अभियान का उद्देश्य देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के प्रति जिले की मातृशक्ति एवं बहनों की आत्मीय भावनाओं को व्यक्त करना तथा समाज में राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यबोध और सामाजिक सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करना है।

निवेश के नाम पर 1.13 करोड़ की ठगी, दो महिला आरोपी नागपुर से गिरफ्तार

रायपुर,(आरएनएस)। रायपुर पुलिस ने निवेश के नाम पर 1 करोड़ 13 लाख रुपये की ठगी का खुलासा करते हुए अंतरराज्यीय ठग गिरोह की दो महिला आरोपियों को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी कथित वाश एंड wash (ब्लैक मनी स्कैम) के जरिए लोगों को करोड़ों रुपये की फंडिंग और निवेश दिलाने का झांसा देकर ठगी करते थे। पुलिस का दावा है कि गिरोह महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में इसी तरह की वारदातों को अंजाम दे चुका है।

पुलिस के अनुसार, बालोद जिले के ग्राम बोरिदकला निवासी उमेश कुमार सिन्हा, जो सालिक ग्रीन रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर हैं, ने तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कंपनी के विस्तार और नए प्लांट के लिए करीब 45 करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत थी। इसी दौरान उनकी मुलाकात कुछ लोगों से हुई, जिन्होंने खुद को प्रभावशाली व्यक्तियों और विदेशी निवेशकों से जुड़ा बताकर बड़ी फंडिंग उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

विदेशी तकनीक और केमिकल के नाम पर रची साजिशआरोपियों ने प्रार्थी को चेन्नई और नागपुर बुलाकर कथित विदेशी तकनीक का प्रदर्शन किया। जांच में सामने आया कि उन्होंने वाश एंड वाश' ब्लैक मनी स्कैम के तहत काले रंग से ढके नोटों को विशेष केमिकल से असली नोटों में बदलने का झूठा प्रदर्शन किया। पहले से तैयार असली नोटों का इस्तेमाल कर पीड़ित का भरोसा जीता गया और फिर विदेशी केमिकल, परीक्षण, अधिकारियों की अनुमति और अन्य प्रक्रियाओं के नाम पर अलग-अलग किश्तों में कुल 1.13 करोड़ रुपये वसूल लिए।जब लंबे समय तक न तो निवेश मिला और न ही फंड जारी हुआ, तब पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

फिल्म देखने की बात पर हुआ था विवादः तकिया से दम घोंटकर सचिव पत्नी की ली थी जान

कोरबा (आरएनएस)। फिल्म देखने के लिए जाने की बात को लेकर तत्कालीन सचिव पत्नी की हत्या उसके तत्कालीन सचिव पति के द्वारा कर दी गई। तकिया से दम घोंटकर हत्या करने के बाद साक्ष्य छिपाने के लिए इसे घटना का रूप देने कमरे में आग लगा दी गई। विचाराधीन इस प्रकरण में एक साल बाद फैसला आया है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार नन्दे ने दोषसिद्ध पाते हुए आरोपी पति अभिनेक लदेर को आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया है। मामले में शासन की तरफ से अतिरिक्त शासकीय अभिभाषक एवं लोक अभियोजक कृष्ण कुमार द्विवेदी ने मजबूत पैरवी कर दोषी को सजा दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

न्यायालय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अभिनेक कुमार के द्वारा 22 जुलाई 2025 को पत्नी सुषमा खुसरो के अकाल एवं आकस्मिक मृत्यु के संबंध में थाना सिविल लाईन रामपुर के एएसआई विमलेश उरांव को यह सूचना दी गयी थी। अभिनेक ने पुलिस को बताया था कि उसकी जान-पहचान सन 2023 में सुषमा खुसरो से हुई थी। सुषमा खुसरो एवं उसका प्रेम संबंध होने से दोनों अपनी मर्जी से दिनांक 05.05.2024 को आर्य समाज, बिलासपुर में जाकर शादी कर लिये। शादी के बाद दोनों हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गोकुल नगर, कोरबा में किराये का मकान लेकर पति-पत्नी के रुप में एक साथ रहकर दांपत्य जीवन व्यतीत कर रहे थे। घटना दिनांक 22 जुलाई 2025 को सुबह लगभग 9-10 बजे सुषमा खुसरो उसे निहारिका टॉकिज पिक्चर देखने जाने के लिये बोली, उसी बात को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच वाद-विवाद हुआ। अभिनेक सुबह लगभग 11 बजे काम से केनरा बैंक ट्रांसपोर्ट नगर चला गया। बैंक से काम करने के बाद 3 बजे वापस अपने घर आया तो देखा कि घर का दरवाजा अंदर से बंद था। वह अपनी पत्नी सुषमा खुसरो को आवाज दिया तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं होने पर अनहोनी की आशंका पर खिड़की से झांक कर देखा तो अंदर से धुंआ निकल रहा था। उसके बाद वह बगल से सीढ़ी लगाकर बालकनी से घर के अंदर जाकर देखा तो उसकी पत्नी आग से पूरी तरह जल चुकी थी, मौत हो चुकी थी, धुंआ निकल रहा था।

खेल समाचार

बार्सिलोना ने ब्राजील की फॉरवर्ड केरोलिन निकोली को मैनचेस्टर सिटी से जोड़ा

बार्सिलोना, (ए.)। स्पेन के दिग्गज क्लब बार्सिलोना ने ब्राजील की स्टार फॉरवर्ड केरोलिन निकोली को मैनचेस्टर सिटी से चार वर्ष के अनुबंध पर अपने साथ जोड़ लिया है। ब्राजील के लिए 2018 में सीनियर पदार्पण करने वाली केरोलिन 2022 में महिला कोपा अमेरिका जीतने वाली ब्राजीलियाई टीम की सदस्य भी रही हैं। ब्रिटिश मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह महिला सुपर लीग (डब्ल्यूएसएल) के इतिहास का सबसे महंगा ट्रांसफर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बार्सिलोना ने 26 वर्षीय केरोलिन के लिए लगभग 15 लाख यूरो (करीब 17.3 लाख अमेरिकी डॉलर) की ट्रांसफर फीस अदा की। इससे पहले डब्ल्यूएसएल से सबसे महंगा ट्रांसफर कनाडा की ओलिविया स्मिथ का था, जो पिछले वर्ष लिवरपूल से आर्सेनल एक करोड़ पाउंड में गई थीं।केरोलिन जनवरी, 2025 में नॉर्थ कैरोलाइना करेज से मैनचेस्टर सिटी में शामिल हुई थीं। उन्होंने पिछले सीजन में क्लब को महिला सुपर लीग और महिला एफए कप का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बार्सिलोना ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, केरोलिन ने अपने करियर के दौरान खुद को एक संपूर्ण खिलाड़ी के रूप में विकसित किया है। वह अब बार्सिलोना की जर्सी पहनने और दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण टीमों में से एक के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिए तैयार हैं।

वनडे विश्व कप 2027 क्वालीफायर 22 फरवरी से, मेजबान का फैसला बाकी

नई दिल्ली,(ए.)। वर्ष 2027 आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप के लिए क्वालीफायर टूर्नामेंट अगले वर्ष 22 फरवरी से 23 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अभी तक क्वालीफायर टूर्नामेंट के मेजबान देश की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। आईसीसी द्वारा जुलाई में घोषित नई क्वालीफिकेशन प्रणाली के अनुसार, 10 टीमों वाले इस क्वालीफायर का विजेता सीधे 2027 वनडे विश्व कप के 14 टीमों वाले मुख्य ग्रुप चरण में प्रवेश करेगा। वहीं, दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें टूर्नामेंट के शुरुआती चरण सुपर सीरीज में खेलेंगी। इन तीन टीमों के बीच मुकाबले के बाद शीर्ष स्थान हासिल करने वाली टीम को मुख्य चरण का अंतिम टिकट मिलेगा।

कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे अल्काराज

ओहायो (आरएनएस)। विश्व के नंबर 2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे। स्पेन का यह खिलाड़ी अपनी कलाई की चोट से उबरने में नाकाम रहा है, जिसके चलते उन्होंने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट के आयोजक ने बुधवार को अल्काराज के टूर्नामेंट से हटने की पुष्टि की। उन्होंने बताया, कार्लोस अल्काराज सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। हमारे 2025 के चैंपियन को ठीक होने के लिए शुभकामनाएं। अगले साल आपका स्वागत करने का इंतजार नहीं कर सकते। अल्काराज ने आखिरी बार अप्रैल में बार्सिलोना ओपन टूर्नामेंट खेला था। उससे ठीक पहले, अप्रैल की शुरुआत में ही वो मोंटे-कार्लो मास्टर्स के फाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, 23 साल के अल्काराज का इस सीजन में 22-3 का रिकॉर्ड है, और वह एटीपी रैंकिंग में विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी हैं।

भारत बनाम श्रीलंका : नेट गेंदबाज के तौर पर टीम इंडिया से जुड़े हर्ष, तनुष, विपराज और शिवांग

कोलंबो (आरएनएस)। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों की मदद की खातिर हर्ष दुबे, तनुष कोटियन और विपराज निगम और कलाई के स्पिनर शिवांग कुमार को बतौर नेट गेंदबाज टीम से जोड़ा गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को एक आधिकारिक अपडेट में कहा, हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियन और विपराज निगम श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की तैयारी में टीम की मदद करने के लिए नेट गेंदबाज के तौर पर भारतीय टीम में शामिल हुए हैं। यह जानकारी शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब (एनसीसी) ग्राउंड पर अपना पहला प्रैक्टिस सेशन शुरू करने के बाद दी गई। हालांकि, इन चारों खिलाड़ियों के मुख्य टीम या प्लेइंग इलेवन में शामिल होने की संभावना कम ही है, लेकिन यह अनुभव उनके लिए सीखने और आगे बढ़ने का एक बड़ा मौका है। घरेलू क्रिकेट में विदर्भ के लिए खेलने वाले बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर दुबे ने इस साल की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। वह अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट, इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे मैच और जिम्बाब्वे में टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए भी टीम का हिस्सा थे।

वहीं, मुंबई के ऑफ-स्पिनर कोटियन ने पिछले दो सीजन में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह 2024/25 बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए भी भारतीय टीम में रविचंद्रन अश्विन की जगह शामिल किए गए थे, जिन्होंने ब्रिस्बेन में तीसरे मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी।

लेग-स्पिनर विपराज निगम जून में श्रीलंका में हुई 50 ओवर की ट्राई सीरीज के दौरान भारत ए टीम का हिस्सा रहे थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से अपना दमखम दिखा चुके हैं। घरेलू क्रिकेट में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले और आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले शिवांग, जून में न्यू चंडीगढ़ में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से पहले भारतीय टीम के लिए नेट बॉलर थे। कोलंबो के एनसीसी में 7 से 9 अगस्त तक तीन दिन के प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेने के बाद, भारतीय टीम गॉल जाएगी, जहां 15 अगस्त से सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेला जाना है। इसके बाद, 23 से 27 अगस्त तक सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

डीपीएलः सकारात्मक सोच और बेहतर रणनीति से मिली जीत : आयुष दोसेजा

नई दिल्ली, (ए.)। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ पर जीत के बाद वेस्ट दिल्ली लायंस के कार्यवाहक

कप्तान आयुष दोसेजा ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरकर अपनी रणनीति को पूरी तरह सफल बनाया। दोसेजा ने कहा, यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण जीत थी। कल की हार के बाद हम सकारात्मक मानसिकता के साथ वापसी करना चाहते थे। हमने अच्छी योजना बनाई, सकारात्मक रहे और अपनी रणनीति को पूरी तरह अमल में उतारा। कप्तान के तौर पर जिस तरह खिलाड़ियों ने जिम्मेदारी निभाई, उससे मैं बेहद खुश हूं। उन्होंने मैच के हीरो मयंक गुसाईं की जमकर तारीफ की। गुसाईं ने गेंदबाजी में चार ओवर में मात्र 13 रन देकर तीन विकेट लिए और बाद में 10 गेंदों पर नाबाद 19 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दोसेजा ने कहा, मयंक ने शानदार गेंदबाजी की। वह बेहतरीन ऑलराउंडर हैं, लेकिन आज उनकी गेंदबाजी ने मैच का रुख बदल दिया। टी20 मैच में चार ओवर में सिर्फ 13 रन देकर तीन विकेट लेना शानदार प्रदर्शन है। उन्होंने जीत में सबसे बड़ा योगदान दिया और प्लेयर ऑफ द मैच के हकदार थे। अपनी बल्लेबाजी पर दोसेजा ने कहा, जब मैं बल्लेबाजी करने आया तब स्थिति थोड़ी चुनौतीपूर्ण थी क्योंकि हम शुरुआती विकेट गंवा चुके थे। मेरी योजना पहले कुछ गेंदें खेलकर परिस्थितियों को समझने की थी।

ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश : स्टार्क के निशाने पर होगा कपिल देव और स्टेन का बड़ा रिकॉर्ड

ब्रिस्बेन (आरएनएस)। बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज में मिचेल स्टार्क के निशाने पर कपिल देव और डेल स्टेन का बड़ा रिकॉर्ड होगा। हालांकि, स्टार्क का कहना है कि व्यक्तिगत उपलब्धि उनके लिए टीम के बाद आती है। दरअसल, टेस्ट क्रिकेट में मिचेल स्टार्क ने अब तक कुल 433 विकेट चटकाए हैं। वहीं, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में कपिल देव ने 434 और डेल स्टेन ने 439 विकेट निकाले हैं। अब अगर स्टार्क बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुल मिलाकर 7 विकेट लेने में सफल रहते हैं, तो वो कपिल देव और स्टेन दोनों को एक साथ पीछे छोड़ देंगे। हालांकि, स्टार्क का कहना है कि व्यक्तिगत उपलब्धियां दूसरे नंबर पर आती हैं क्योंकि ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य अगले साल ओवल में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए प्वाइंट हासिल करना है। बुधवार को आईसीसी ने स्टार्क के हवाले से कहा, इसका मतलब है कि मैंने काफी क्रिकेट खेला है।

राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाड़ियों को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

देवरिया, (ए.)। उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया के जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बुधवार को राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले जिले के खिलाड़ियों को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।30 जुलाई से 2 अगस्त तक लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में देवरिया स्पोर्ट्स स्टेडियम के प्रशिक्षक गिरीश सिंह के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में आरव जायसवाल और आयुषी कुशवाहा ने स्वर्ण पदक जीतकर उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय ताइक्वांडो टीम में अपना स्थान सुनिश्चित किया। वहीं सत्यम मिश्रा, आरोही गुप्ता और रिद्धिमा जायसवाल ने रजत पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। हर्ष यादव और अदिति निषाद ने कांस्य पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

इस अवसर पर जिला क्रीड़ा अधिकारी अनुराग श्रीवास्तव, ताइक्वांडो प्रशिक्षक गिरीश सिंह, जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष संजय कनोडिया, अभिषेक कुमार, अशोक कुमार सिंह, आशीष सिन्हा, देवरिया ओलंपिक संघ के महासचिव अजय जायसवाल, अध्यक्ष संजय केडिया सहित खेल विभाग और ताइक्वांडो संघ के कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कोलो कोलो फुटबॉल क्लब से आधिकारिक तौर पर जुड़े वोजिन्हा, फीफा वर्ल्ड कप में यादगार रहा था प्रदर्शन

सैंटियागो (आरएनएस)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में केप वर्डे के लिए बतौर गोलकीपर यादगार प्रदर्शन करने वाले गोलकीपर वोजिन्हा आधिकारिक तौर पर चिली के क्लब कोलो कोलो से जुड़ गए हैं। क्लब में शामिल होने पर वोजिन्हा का भव्य स्वागत हुआ। वोजिन्हा को फैंस ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 का बेस्ट गोलकीपर चुना था। वह अपने प्रदर्शन के कारण जमकर सुर्खियां बटोरने में सफल रहे थे। जून में पुर्तगाली सेकंड-डिवीजन टीम चावेस से अलग होने के बाद वोजिन्हा एक फ्री एजेंट के तौर पर आए थे। 40 साल के वोजिन्हा ने कोलो कोलो के सैंटियागो हेडक्वार्टर में पेपरवर्क पूरा करने से पहले एक मेडिकल टेस्ट पास किया। कोलो कोलो में उनके आने की घोषणा जुलाई में की गई थी, लेकिन वीजा की समस्या और निजी दिक्कतों की वजह से उनके क्लब से जुड़ने में देरी हुई। सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 40 साल के वोजिन्हा, जिनका पूरा नाम जोसिमार जोस एवोरा डायस है, को सैंटियागो के मोन्यूमेंटल डेविड अरेलानो स्टेडियम में दर्जनों मीडिया प्रतिनिधित्व के सामने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया। वोजिन्हा ने कहा, मुझे कुछ बड़ा होने की उम्मीद थी, क्योंकि हम कोलो कोलो के बारे में बात कर रहे हैं, एक क्लब जिसका इतिहास बहुत अच्छा है, लेकिन मुझे इतने सारे लोगों की उम्मीद नहीं थी। मुझे इतने सारे लोगों से मिलकर खुशी हुई। मुझे पूरी दुनिया, भगवान और सभी का शुक्रिया अदा करना है।

इटारसी जंक्शन पर पुराने रेल माल गोदाम को हटाने की मांग

राज्यसभा में सांसद माया नारोलिया ने उठाया मुद्दा

नई दिल्ली। इटारसी। नर्मदापुरम (निप्र)। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान सांसद माया नारोलिया ने मध्य प्रदेश के प्रमुख रेलवे जंक्शनों में शामिल इटारसी जंक्शन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक और विकासात्मक समस्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार और रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इटारसी जंक्शन को विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा हैए लेकिन स्टेशन परिसर में स्थित पुराने रेल माल गोदाम के स्थानांतरण में हो रही देरी से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं नए फुट ओवर ब्रिज विशाल प्रतीक्षालय और बेहतर पार्किंग व्यवस्था विकसित की जा रही है। इस मास्टर प्लान के तहत स्टेशन परिसर और सर्कुलेटिंग एरिया में मौजूद पुराने ढांचों को हटाने का निर्णय लिया गया था। इसी क्रम में सुरक्षा और यात्री सुविधाओं के विस्तार को ध्यान में रखते हुए स्टेशन परिसर में स्थित रेल माल गोदाम को भी नई जगह स्थानांतरित किया जाना प्रस्तावित था।सांसद श्रीमती नारोलिया ने सदन में कहा कि प्रशासनिक शिथिलता के कारण अब तक माल गोदाम को उसके निर्धारित नए स्थान पर स्थानांतरित नहीं किया जा सका है। इसके चलते स्टेशन के आधुनिकीकरण प्लेटफॉर्म विस्तार और अन्य विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। साथ ही यात्रियों के आवागमन में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। माया नारोलिया ने कहा कि जब तक पुराना रेल माल गोदाम पूरी तरह शिफ्ट नहीं होगा तब तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रस्तावित प्रमुख विकास कार्यों को अपेक्षित गति नहीं मिल सकेगी।उन्होंने रेल मंत्री से मांग की कि व्यापक जनहित और रेलवे विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश जारी किए जाएं ताकि इटारसी जंक्शन स्थित पुराने रेल माल गोदाम को जल्द से जल्द नई जगह स्थानांतरित किया जा सके।

डॉ. तोमर ने सर्वाइट हायर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया

नर्मदापुरम (निप्र)। भारत सरकार सम्बद्ध कानून न्याय एवं कंपनी मामले मंत्रालय से विशेष मान्यता प्राप्त राज्य सचिव कानून के जानकार डॉ मयंक तोमर ने सर्वाइट हायर सेकेंडरी स्कूल का निरीक्षण किया। राज्य सचिव एआईसीपीओ डॉ तोमर देहात थाने के कर्मचारियों के साथ सर्वाइट स्कूल पहुँचे जहाँ स्कूल के हेड बॉय सुमित चौरे और हेड गर्ल अवंतिका पटेल ने पौधे भेंटकर उनका स्वागत किया। डॉ मयंक तोमर ने करियर पर्यावरण लीडरशिप क्वालिटी और देश के समसामयिक मुद्दों पर बात की। जबकि असिस्टेंट सब.इंस्पेक्टर रामराव उइके और कॉन्स्टेबल राजेश जैन ने छात्रों को नशे के बुरे प्रभावों के बारे में बताया और साइबर क्राइम से सुरक्षित रहने के टिप्स दिए। डॉ तोमर ने सहयोग के लिए पुलिस विभाग देहात थाने और टीआई उषा मरावी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर प्राचार्य सलूजा अमित मसानिया मंजू रॉय संजय यदुवंशी डॉली सूरी अमित मसानिया आदि शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

हार्वर्ड मॉडल यूनाइटेड नेशंस इंडिया के लिए स्प्रिंगडेल्स स्कूल के छात्र प्रणद कावरे का चयन

अंतरराष्ट्रीय मंच पर करेंगे विद्यालय का प्रतिनिधित्व

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंण्डरी स्कूल नर्मदापुरम के कक्षा 9 वीं के मेधावी छात्र प्रणद कावरे का चयन विश्व के प्रतिष्ठित शैक्षणिक आयोजनों में से एक हार्वर्ड मॉडल यूनाइटेड नेशंस एचएमयूएन इंडिया के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे नर्मदापुरम जिले के लिए गर्व का विषय है। प्रणद ने बताया कि मॉडल यूनाइटेड नेशंसएचएमयूएन में अपने प्रथम अनुभव ने उनके भीतर वैश्विक मुद्दों, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति एवं नेतृत्व कौशल के प्रति गहरी रुचि विकसित की। इसी प्रेरणा ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय की वैश्विक प्रतिष्ठा और उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा से प्रेरित होकर एचएमयूएन इंडिया के लिए आवेदन किया। चयन प्रक्रिया के अंतर्गत उन्हें अपनी रुचियों नेतृत्व क्षमता सामाजिक उत्तरदायित्व तथा भविष्य के लक्ष्यों से संबंधित विषयों पर निबंध प्रस्तुत करने थे। आवेदन के लगभग एक सप्ताह बाद उन्हें चयन की सूचना प्राप्त हुई। इस सफलता से उत्साहित प्रणद वर्तमान में सम्मेलन की तैयारियों में पूरी लगन और समर्पण के साथ जुटे हुए हैं। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता.पिताए शिक्षकों एवं विद्यालय द्वारा मिले सतत मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को दिया। प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने प्रणद को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमताए आलोचनात्मक चिंतनए प्रभावी संवाद शोध कौशल एवं वैश्विक दृष्टिकोण का विकास करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रणद सम्मेलन में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय नर्मदापुरम एवं मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे। शाला के संचालक डॉ आशीष चटर्जी संचालक सुभाशीष चटर्जी शिक्षकगण एवं समस्त विद्यालय परिवार ने प्रणद कावरे को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

पचमढ़ी नागद्वारी मेला 2026 के लिए किराया तय

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पचमढ़ी में प्रसिद्ध नागद्वारी मेला आयोजित किया जा रहा है। मेला 07 अगस्त 2026 से 17 अगस्त 2026 तक चलेगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए परिवहन विभाग मध्यप्रदेश शासन ने मेला अवधि में चलने वाले सामान्य प्रक्रम वाहनों का प्रति यात्री किराया अधिसूचित किया है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि विभिन्न स्थानों से पचमढ़ी तक का निर्धारित किराया नई किराया सूची अनुसार नागपुर से पचमढ़ी 270 किमी के लिए 540 रूपये, छिंदवाड़ा से पचमढ़ी 140 किमी के लिए 280 रूपये, गाडरवाडा से पचमढ़ी 108 किमी के लिए 216 रूपये, भोपाल से पचमढ़ी 199 किमी के लिए 398 रूपये, ओबेदुल्लागंज से पचमढ़ी 165 किमी के लिए 330 रूपये, सिवनीमालवा से पचमढ़ी169 किमी के लिए 338 रूपये, इटारसी से पचमढ़ी 142 किमी के लिए 284 रूपये, होशंगाबाद से पचमढ़ी 124 किमी के लिए 248 रूपये, बाबई से पचमढ़ी 102 किमी के लिए 204 रूपये, सेमरी से पचमढ़ी 84 किमी के लिए 168 रूपये, बनखेड़ी से पचमढ़ी77 किमी 154 रूपये, सोहागपुर से पचमढ़ी 74 किमी के लिए 148 रूपये, पिपरिया से पचमढ़ी54 किमी के लिए 108 रूपये एवं मटकुली से पचमढ़ी 28 किमी के लिए 56 रूपये किराया तय किया गया है।

विश्व स्तनपान सप्ताहः ग्रामीण परियोजना में आंगनवाड़ी केंद्रों पर चली जागरुकता मुहिम

नर्मदापुरम (निप्र)। विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग, परियोजना ग्रामीण द्वारा जिले के विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती और धात्री माताओं को स्तनपान के महत्व और सही तरीके के बारे में जानकारी देना था। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देशों के पालन में जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार जैन और परियोजना अधिकारी प्रमोद गौर के मार्गदर्शन में ग्रामीण परियोजना के सभी सेक्टरों में सेक्टर स्तरीय कार्यक्रम कराए गए। सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती आस्था शिवहारे, श्रीमती आशा भदोरिया और श्रीमती लता गोहिया ने अपने-अपने क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्रों में सत्र लिए। उन्होंने माताओं को बताया कि बच्चे के जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना जरूरी है। शिशु को पहले 6 माह तक केवल मां का दूध ही पिलाया जाए। 6 माह बाद ऊपरी आहार शुरू करने के साथ स्तनपान को 2 वर्ष या उससे अधिक समय तक जारी रखा जाए। कार्यक्रम में स्तनपान के फायदे भी विस्तार से बताए गए। बताया गया कि मां का दूध शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास में मदद करता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और मातृ स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डालता है।

इस दौरान माताओं की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें संतुलित आहार व स्वच्छता अपनाने की सलाह दी गई। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं, गर्भवती और धात्री माताएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं शामिल हुईं। विभाग ने अंत में सभी से अपील की कि वे स्तनपान को बढ़ावा दें और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करें।

लोक सभा सांसद की अनुशंसा पर निर्माण कार्य हेतु 70 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी की अनुशंसा पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा सांसद निधि से 01 निर्माण कार्य के लिए 70 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार लोक सभा सांसद श्री चौधरी की अनुशंसा पर ग्राम झिरमाउ व ग्राम पंचायत कांदईकलां में विकासखंड केसला में अजय मसकोले के घर के पास सार्वजनिक कवर्ड बैठक स्थल निर्माण के लिए 70 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

कलेक्टर के निर्देश पर नपा ने की कार्रवाई

नाली पर हुए अतिक्रमण को हटाया

नर्मदापुरम्। कलेक्टर के निर्देश पर आज नगरपालिका की टीम द्वारा नाली पर हुए अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान नाली पर किए गए अतिक्रमण नगरपालिका की टीम द्वारा हटाया गया। साथ ही दो पक्षों के विवाद को सुलझाने के लिए मौका मुआयना भी किया गया। स्वच्छता नोडल अधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि जनसुनवाई में पहुंची शिकायत के निराकरण पर वार्ड क्रमांक 30 में अतिक्रमण कर नाली पर कब्जा किया गया था। जिसे हटाया गया। कार्रवाई के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख, तहसीलदार सुनील शर्मा, आरआई गजेंद्र जाटव उपस्थित थे। श्री तिवारी ने बताया कि वहीं दो पक्षों में जगह को लेकर चल रहे विवाद की स्थिति में स्थल का निरीक्षण किया गया। साथ ही उन्हें नगरपालिका कार्यालय में समस्त दस्तावेज के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए।

क्या ऐसे लाएंगे बच्चे ओलपिक में गोल्ड मेडल

इटारसी (निप्र)। बड़ा दर्दनाक किस्सा मध्य प्रदेश सरकार की गरीबी का सामने आया है। शिक्षा विभाग की ओर से इटारसी में जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं चल रही है पुरानी इटारसी के गर्ल्स स्कूल में जिसमें जिले भर के प्रतियोगी छात्र शामिल हुए हैं लगभग 50 छात्रों ने पार्टिसिपेट किया 50 छात्रों के ऊपर खाना तो दूर पानी के लिए मात्र एक केंन रखी हुई थी बच्चों के लिए विभाग की ओर से ना खाने पीने की कोई व्यवस्था थी ना ही किसी प्रकार का बच्चों के लिए वेलकम था बड़ा दुख का विषय है जिस मध्य प्रदेश में 3 किलोमीटर की सड़क के उद्घाटन के लिए 45000 रुपए 1 घंटे में खर्च कर दिए जाते हैं वहीं जिले भर से आए बच्चों के लिए शिक्षा विभाग के पास फंड नहीं है दुख का विषय है जो बच्चे अपने साथ लंच बॉक्स लेकर गए थे वह तो ठीक.ठाक स्थिति में रहे लेकिन कल्पना करि जिनके पास यह व्यवस्था नहीं थी उनका क्या हुआ होगा क्या शिक्षा विभाग का यह कृत इन स्थिति एवं परिस्थितियों के बाद बच्चों से पदक लाने की उम्मीद लगाए बैठा है भारतीय किसान संघ जिले भर के ग्रामीण क्षेत्रों से आए हुए इन छात्रों के लिए अतिथि देवो भव का नारा देने वाली मध्य प्रदेश सरकार विशेष कर शिक्षा विभाग के इस कृत्य की कड़ी आलोचना करते हुए भविष्य में विभाग की इस अशुभनीय कार्य की पुनरावृत्ति ना हो इसकी अपेक्षा करता है।

प्रायवेट अस्पताल, जिम, कोचिंग और बैंको के सामने लगता है जाम

घंटों खड़े रहते हैं वाहन, शहरवासी होते हैं परेशान

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर में अनेक स्थानों पर संचालित प्रायवेट अस्पतालों, नर्सिंग होम, जिम, कोचिंग और बैंको के सामने प्राय: हर कभी जाम की नौबत लग रही है। प्रसानिक अधिकारियों को इस बात से कोई लेना देना नहीं। इन संस्थाओं के मालिकों को कमाई से मतलब है। शहरवासी वाहनों के सड़कों पर ही खड़े रहने से आवागमन में होने वाली असुविधा से परेशान हैं। खासकर उस क्षेत्र के नागरिक व कॉलोनी वासी ज्यादा परेशान होते हैं। क्योंकि कालोनी के आसपास की कोचिंग, शहर के अनेक हिस्सों में खुलते जा रहे जिम और बैंक हैं जिनमें आने वाले लोगों से वाहनों का अंबार सड़क पर ही लग जाता है। उनके यहां आने वाले लोगों के वाहन इतनी अधिक संख्या में खड़े कर दिए जाते हैं कि शहरवासी और कॉलोनी वालों को निकलना मुश्किल होता है। इस संबंध में पूर्व में कॉलोनी वालों ने हंगामा कर चुके हैं। कॉलोनीवासियों से पुलिस ने सीएम हेल्प लाइन में की गई शिकायत को निराकृत करने के लिए लिखवाया था। लेकिन एक दो दिन बाद फिर समस्या यथावत हो गई। देखा जा सकता है कि बड़ी संख्या में वाहन रास्ते में ही खड़े रहते हैं।

एम्बूलेंस, फायर बिग्रेड और कचरा वाहनों को दिक्कत

लोगों का कहना है यहां पर बीमार होने पर एम्बूलेंस, नहीं आ सकती। फायर विग्रेड नहीं आ पाती है। इतना ही नहीं नपा की कचरा कलेक्शन करने वाली गाड़ी भी नहीं आ पाती है जिससे हमें रोज परेशानी हो रही है।

उपसंचालक उद्यान रीता उइके ने केसला विकासखण्ड के उद्यानिकी ग्रामों का किया सघन भ्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग जिला नर्मदापुरम की उपसंचालक रीता उइके द्वारा विकासखण्ड केसला के उद्यानिकी ग्राम देहरी जमानी तीखड़ डॉवा कला सहित विभिन्न क्षेत्रों का सघन भ्रमण कर किसानों के खेतों एवं उद्यानिकी प्रक्षेत्रों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना पीएमकेएसवाय अंतर्गत स्थापित ड्रिप सिंचाई मिनी स्प्रिंकलर एवं पॉलीहाउस का निरीक्षण किया गया। साथ ही औषधीय फसलों तुलसी, काला अदरक, सफेद मूसली एवं चिया सीड की खेती का अवलोकन कर किसानों को उन्नत तकनीकों को अपनाने तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बढ़ाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उपसंचालक श्रीमती उइके ने क्षेत्र में संचालित गेंदा एवं गुलाब की व्यावसायिक खेती का भी निरीक्षण किया तथा किसानों को फसल प्रबंधन विपणन एवं आयवृद्धि संबंधी सुझाव दिए।

इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना पीएमएफएमई अंतर्गत संचालित ग्रेडिंग एवं फुल्की निर्माण यूनिट का निरीक्षण कर उत्पादन गुणवत्ता एवं विपणन व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर किसान संतोष दीवान रामस्वरूप सैनी चम्पालाल सैनी नरेन्द्र वर्मा सुधीर वर्मा संजय वर्मा प्रदीप वर्मा कन्हैया यादव तथा उद्यमी जुगल किशोर सैनी सहित अन्य कृषक उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान किसानों से योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उद्यानिकी गतिविधियों पर चर्चा करते हुए विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

खेल व्यक्ति में अनुशासन आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं-योगेंद्र राजपूत

जिला स्तरीय कराते, वुशु, वेटलिफ्टिंग एवं विकासखंड स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन

विजेता खिलाड़ी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में करेंगे जिले का प्रतिनिधित्व

इटारसी। नर्मदापुरम (निप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जिला स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत कराते वुशु एवं वेटलिफ्टिंग तथा विकासखंड स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरानी इटारसी में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि योगेंद्र राजपूत पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा एवं जेड आरयूसीसी में रहे। अध्यक्षता अशोक मालवीय विधायक प्रतिनिधि ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रशांत अग्रवाल देवेंद्र परिहार; विधायक प्रतिनिधिद्ध गीता चौधरी विश्वनाथ तिवारी व्याख्याता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कराते एवं वुशु प्रतियोगिताओं में नर्मदापुरम, सिवनीमालवा, सोहागपुर बाबई पिपरिया एवं बनखेड़ी विकासखंडों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं विकासखंड स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुरानी इटारसी सेंट मेरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूलए एप्पल ट्री द वर्ल्ड स्कूल संदीपनी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पवारखेड़ा स्पिंडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल होशंगाबाद सर्वाइट सीनियर सेकेंडरी स्कूल होशंगाबाद टैगोर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इटारसी तथा जीनियस प्लेनेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित अनेक विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।प्रतियोगिता संयोजक सपना गिरधारी ने बताया कि प्रतियोगिताओं का आयोजन 14, 17 एवं 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक एवं बालिका वर्ग में किया गया। वेटलिफ्टिंग एवं कराते की स्पर्धाएँ निर्धारित भार वर्गों के अनुसार संपन्न हुईं। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी आगामी संभाग स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता में नर्मदापुरम जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्य अतिथि योगेंद्र राजपूत ने खिलाड़ियों से कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। खेल व्यक्ति में अनुशासन आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेकर अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना चाहिए। प्रतियोगिता के सहसंयोजक अश्वनी मालवीय ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में अर्पण दुबे अरविंद रैकवार अरविंद ठाकुर रवि साहू यशवंत आंकरे चंदन कुलदीप अनुष्का दीक्षित सहित कराते वुशु एवं तीरंदाजी के निर्णायकों अंपायरों तथा समस्त खेल अधिकारियों का विशेष सहयोग रहा जिसके परिणामस्वरूप प्रतियोगिता का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन संभव हो सका। उन्होंने बताया कि विकासखंड स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी 8 अगस्त को आयोजित जिला स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेकर अपने विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों निर्णायकों प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों का आभार व्यक्त किया गया।

OFFICE OF THE KRISHI UPAJ MANDI SAMITI ITARSI, DISTT. NARMADAPURAM

NIT No./555 Itarsi, Dated : 29.07.2026

NOTICE INVITING TENDER

Online Percentage Rate E-Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for Construction of Cement Concrete work At Mandi Yard ITARSI, Distt Narmadapuram Tender Number : **2026 MPSAM 525994_1 (PAC amount Rs. 258.36 Lakh).** The following works Tender to be **Received Online up to 17.30 PM on Dated 25.08.2026** Technical bid documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the **http://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in.**

Note : Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/ Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**

M.P. Madhyam/127397/2026 **SECRETARY**

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com